उ S उत्तरशक्ति TV NEWS
मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 8 अंक 105
रविवार, 26 अक्टूबर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हम बिहार से हर एक घुसपैठिए को चुन-चुनकर निकाल देंगे: अमित शाह

खगड़िया, 25 अक्टूबर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की बिहार के खगड़िया में हुई चुनावी रैली पर ध्यान केंद्रित किया गया है, जहाँ उन्होंने राजग सरकार की विकास परियोजनाओं, आर्थिक विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। एक विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए, शाह ने कहा, 'मैं आपसे वादा करता हूँ कि हम बिहार से हर एक घुसपैठिए को चुन-चुनकर निकाल देंगे।' उन्होंने राहुल गांधी और महागठबंधन सहित विपक्ष पर जमकर हमला बोला और उन पर वोट बैंक की राजनीति के लिए घुसपैठियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया। शाह ने क्षेत्र में श्री कृष्ण सेतु, मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेज, और रेलवे लाइन दोहरीकरण जैसी कई बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं का ब्यौरा दिया और राजग के कार्यों की तुलना पिछली राजद सरकारों के कथित भ्रष्टाचार और विकास की कमी से की। उन्होंने सर्जिकल और एयर स्ट्राइक जैसे कार्यों के माध्यम से भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और अपनी सीमाओं को सुरक्षित करने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी दिया।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को बिहार की जनता को आगाह किया और कहा कि अगर विधानसभा चुनाव के बाद राष्ट्रीय जनता दल के नेतृत्व वाला महागठबंधन सरकार बनाता है, तो राज्य में 'जंगल राज' लौट आएगा। लोगों से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को वोट देने का आग्रह करते हुए, शाह ने कहा कि सत्तारूढ़ गठबंधन में पाँच 'पांडव' हैं, जिनका ज़िक्र भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), जनता दल यूनाइटेड (जदयू), लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) और राष्ट्रीय लोक मंच (आरएलएम) की ओर था।

खगड़िया में एक चुनावी रैली में बोलते हुए, केंद्रीय गृह मंत्री ने मौजूदा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की भी सराहना की और कहा कि केवल जदयू नेता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही बिहार का विकास चाहते हैं। कुमार के कार्यकाल में अपराध दर में उल्लेखनीय कमी का हवाला देते हुए, शाह ने कहा कि एनडीए सरकार ने बिहार को नक्सलवाद से मुक्त करने के लिए काम किया है।

शाह ने कहा, ₹यह चुनाव तय करेगा कि बिहार में जंगल राज वापस लाना है या विकास का राज। क्या आप जंगल राज चाहते हैं?₹ उन्होंने आगे कहा, ₹अगर लालू-राबड़ी सरकार सत्ता में आई, तो जंगल राज भी साथ आएगा। अगर एनडीए की सरकार बनी, तो विकसित बिहार की पहचान पूरे भारत में बनेगी। अपने वोट का इस्तेमाल सोच-समझकर करें। एनडीए में पाँच पांडव हैं। इसे आशीर्वाद दें और विजयी बनाएँ।

अपनी जनसभा में, शाह ने बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान पर सवाल उठाने के लिए महागठबंधन पर भी हमला बोला और कहा कि महागठबंधन के नेता, खासकर राहुल गांधी, घुसपैठियों को बचाना चाहते हैं। हालाँकि, उन्होंने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता 'घुसपैठिया बचाओ यात्रा' निकालकर घुसपैठियों की रक्षा नहीं कर पाएँगे।

उन्होंने वंशवाद को लेकर दोनों पार्टियों की आलोचना की और कहा कि जहाँ राजद के संरक्षक लालू प्रसाद यादव चाहते हैं कि उनके बेटे तेजस्वी यादव बिहार के अगले मुख्यमंत्री बनें, वहीं कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी चाहती हैं कि उनके बेटे राहुल गांधी भारत के अगले प्रधानमंत्री बनें।

केंद्र की एनडीए सरकार की सराहना करते हुए, शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत ने 2016 में सर्जिकल स्ट्राइक, 2019 में एयर स्ट्राइक और 2025 में ऑपरेशन सिंदूर करके पाकिस्तान को करारा जवाब दिया है।

महाराष्ट्र सरकार राज्यपाल देवव्रत के नेतृत्व में प्राकृतिक खेती मिशन शुरू करेगी: फडणवीस

मुंबई, 25 अक्टूबर। महाराष्ट्र सरकार किसानों को लाभान्वित करने के लिए राज्यपाल आचार्य देवव्रत की अध्यक्षता में प्राकृतिक खेती पर एक मिशन शुरू करेगी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने यहां राजभवन में प्राकृतिक खेती पर आयोजित एक सम्मेलन के दौरान यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि राज्यपाल खुद प्राकृतिक खेती में विशेषज्ञता रखते हैं। इसके पहले राज्यपाल ने महाराष्ट्र सरकार के मंत्रियों और राज्य विधानमंडल के सदस्यों को प्राकृतिक खेती और जैविक खेती के बीच के अंतर से अवगत कराया।

उन्होंने मंत्रियों और विधायकों से राज्य भर में प्राकृतिक खेती को मिशन मोड में सक्रिय रूप से बढ़ावा देने की अपील भी की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री

फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, विधान परिषद के सभापति राम शिंदे, उपसभापति डॉ. नीलम गोरे, मंत्री, विधायक और मुख्य सचिव राजेश कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित थे। फडणवीस ने संवाददाताओं से कहा कि कपास और सोयाबीन के लिए खरीद केंद्र 30 अक्टूबर से चालू हो जाएंगे। उन्होंने कहा, मैं किसानों से अपील करता हूं कि वे अपनी उपज व्यापारियों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से कम कीमत पर न बेचें।

अलीगढ़ में मंदिरों की दीवारों पर आई लव मोहम्मद लिखा मिलने से तनाव, आठ लोगों पर प्राथमिकी दर्ज

अलीगढ, 25 अक्टूबर। अलीगढ़ जिले के लोधा थाना क्षेत्र में शनिवार को दो निकटवर्ती गांवों के पांच मंदिरों की दीवारों पर आई लव मोहम्मद लिखा मिलने के बाद तनाव फैल गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि इस घटना के बाद पुलिस ने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी और मामले में आठ लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस के अनुसार, भगवानपुर और बुलाकीगढ़ गांव में मंदिरों की दीवारों पर यह नारा मिलने के बाद भारी पुलिस बल तैनात किया गया और जांच शुरू कर दी गई है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) नीरज कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी फॉरेंसिक विशेषज्ञों और खोजी कुत्तों के साथ घटनास्थलों पर पहुंचे। अपराधियों की पहचान के लिए आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। पुलिस ने मुस्तकीम, गुल मोहम्मद, सुलेमान, सोनू, अल्लाहबख्श, हमीद और यूसुफ समेत आठ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने संवाददाताओं से कहा, हम इस घटना को गंभीरता से ले रहे हैं और सभी पहलुओं की गहन जांच कर रहे हैं। किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

नागर विमानन मंत्री नायडू ने दिल्ली हवाई अड्डे के नवनिर्मित टर्मिनल-2 का उद्घाटन किया

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री के राममोहन नायडू ने शनिवार को दिल्ली हवाई अड्डे के पुनर्निर्मित टर्मिनल-2 (टी2) का उद्घाटन किया। यह टर्मिनल रविवार से यात्रियों के लिए शुरू हो जाएगा।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) द्वारा लगभग चार दशक पहले निर्मित यह टर्मिनल इस वर्ष अप्रैल 2025 में नवीनीकरण कार्यों के लिए बंद किया गया था। अब इसे आधुनिक सुविधाओं के साथ तैयार किया गया है और इसकी वार्षिक क्षमता लगभग 1.5 करोड़ यात्रियों को संभालने की है।

उद्घाटन समारोह में मंत्री नायडू ने कहा कि भारत जल्द ही दुनिया के सबसे बड़े नागरिक विमानन तंत्र में से एक बन सकता है।

उन्होंने कहा कि हवाई अड्डे को अंतरराष्ट्रीय केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए पूरी स्थानांतरण प्रणाली को अधिक कुशल और सुचारु बनाया जाना चाहिए।

नायडू ने यह भी बताया कि यदि हवाई अड्डे की जगह का सही और प्रभावी उपयोग किया जाए, तो दिल्ली हवाई अड्डा सालाना लगभग 13 करोड़ यात्रियों को संभालने की क्षमता रखता है। राष्ट्रीय राजधानी स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआईए) में तीन टर्मिनल - टी1, टी2 और टी3 और चार रनवे हैं।

दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डीआईएएल) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विदेह कुमार जयपुरियार ने कहा कि हवाई अड्डे की वार्षिक यात्री संचालन क्षमता 10 करोड़ से अधिक है।

नागरिक उड्डयन मंत्री के रमोहन नायडू ने कहा कि सरकार हवाई अड्डों को विश्व-स्तरीय आवागमन केंद्र में बदलने के काम में तेजी ला रही है। उन्होंने कहा, दिल्ली उत्तर क्षेत्र के कुल यात्री यातायात का लगभग 50 प्रतिशत संभालता है और प्रतिदिन करीब 50,000 यात्रियों का स्थानांतरण करता है, इसलिए यह एक पसंदीदा आवागमन केंद्र बन रहा है। लगभग 40 साल पुराने टर्मिनल 2 को इस साल अप्रैल में नवीनीकरण के लिए बंद किया गया था। यह 25-26 अक्टूबर की दरमियानी रात से फिर से चालू होगा।

इस सर्दियों की उड़ान समय सारणी में पिछले साल की तुलना में लगभग 13 प्रतिशत अधिक उड़ानें होंगी। सर्दियों की उड़ान समय सारणी 26 अक्टूबर 2025 से 28 मार्च 2026 तक रहेगी।

सज्जाद लोन का बड़ा आरोप, राज्यसभा में एनसी ने बीजेपी को 'गिफ्ट' किए 7 विधायक

कश्मीर, 25 अक्टूबर। पीपुल्स कॉन्फ्रेंस (पीसी) के अध्यक्ष और हंदवाड़ा के विधायक सज्जाद गनी लोन ने जम्मू-कश्मीर में हाल ही में हुए राज्यसभा चुनावों के दौरान नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ मिलीभगत का आरोप लगाया है। श्रीनगर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, लोन ने दावा किया कि नेशनल कॉन्फ्रेंस ने अपने सात विधायकों के वोट भाजपा को गिफ्ट कर दिए थे और पूरी प्रक्रिया को फिक्स मैच बताया। लोन ने कहा कि इन दो-तीन अतिरिक्त वोटों से नतीजा नहीं बदलता। क्रॉस-वोटिंग के बिना भी, चौथा उम्मीदवार हार जाता। सारी क्रॉस-वोटिंग नेशनल कॉन्फ्रेंस ने ही की थी। लोन ने

एनसी नेतृत्व पर जमकर निशाना साधा और उन पर पाखंड का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ₹यह वही पार्टी है जो दूसरों पर भाजपा से करीबी होने का आरोप लगाती रहती है। लेकिन आज, वे ही भाजपा की गोद में बैठे हैं।

उन्होंने आगे आरोप लगाया कि एनसी के कार्यों ने विपक्षी ताकत होने के उसके दावे की पोल खोल दी है। हमारे लोगों को अपनी आँखें खोलनी चाहिए और देखना चाहिए कि उन्हें कैसे धोखा दिया गया है। भले ही भाजपा प्रत्यक्ष सत्ता में नहीं है, लेकिन उसकी पसंदीदा पार्टी सत्ता में है। पीपुल्स कॉन्फ्रेंस प्रमुख ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला पर भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि नेशनल कॉन्फ्रेंस ने जानबूझकर कांग्रेस को राज्यसभा की एक जीतने लायक सीट नहीं दी। लोन ने तर्क दिया कांग्रेस को चौथी सीट की पेशकश की गई थी, जिसे हारने के लिए ही बनाया गया था। एक राष्ट्रीय पार्टी होने के नाते, कांग्रेस को प्रमुखता दी जानी चाहिए थी।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए
सम्पर्क करे: 9199355950

दिल्ली के एक्यूआई में मामूली सुधार, न्यूनतम तापमान 16.9 डिग्री सेल्सियस

दिल्ली। दिल्ली की वायु गुणवत्ता में शनिवार सुबह थोड़ा सुधार हुआ और एक्यूआई 261 दर्ज किया गया। हालांकि यह भी खराब श्रेणी में ही आता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों (सीपीसीबी) के मुताबिक, एक्यूआई एक दिन पहले 290 दर्ज किया गया था।

एक्यूआई 201 से 300 के बीच खराब श्रेणी में माना जाता है। सीपीसीबी की समीर ऐप के अनुसार, आनंद विहार में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 415 रहा जहां यह गंभीर श्रेणी में था। यह राजधानी के सभी निगरानी स्टेशनों में सबसे अधिक है।

हवा को जहर बनाता दिल्ली का आत्मघाती प्रदूषण

-ललित गर्ग

दिल्ली में बढ़ता प्रदूषण एक बार फिर दुनिया की नजरों में भारत की राजधानी को शर्मसार कर रहा है। कभी संस्कृति, ऊर्जा और प्रगति की पहचान रही दिल्ली आज धुएं और धूल की चादर में लिपटी दिखाई देती है। हवा में घुला जहर इस हद तक बढ़ चुका है कि सांस लेना भी एक जोखिम बन गया है। हाल ही में दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 345 के खतरनाक स्तर तक पहुंच गया जो बहुत खराब से गंभीर श्रेणी में आता है। यह स्थिति न केवल दिल्लीवासियों के स्वास्थ्य के लिए खतरा है बल्कि यह भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार दोनों के लिए गहन चिंतन का विषय भी है। प्रश्न यह है कि क्यों हर वर्ष अक्टूबर-नवंबर में दिल्ली का आसमान धुंधला हो जाता है और जीवन दम घोंटने लगता है। इसका उत्तर जटिल है क्योंकि इसके लिए सरकार, समाज और व्यक्ति सभी जिम्मेदार हैं। दिल्ली की गिनती दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषित शहरों में होना हमारे विकास के मॉडल पर एक गंभीर टिप्पणी है। जहरीली हवा में सांस लेना मुश्किल होने पर श्वसनतंत्र के रोगियों को किस संत्रास से गुजरना पड़ा होगा, अंदाजा लगाना कठिन नहीं है। यह स्थिति अन्य अनेक असाध्य रोगों का भी कारण बनती है।

प्रदूषण के प्रमुख कारणों में सबसे आगे है पराली जलाना। पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के किसानों द्वारा खेतों में बची फसल के अवशेष जलाने से हवा में सूक्ष्म कणों की मात्रा खतरनाक रूप से बढ़ जाती है। हवा की दिशा दिल्ली की ओर होती है जिससे यहाँ प्रदूषण का स्तर तेजी से

चढ़ता है। इसके साथ ही दिल्ली की सड़कों पर चल रहे लाखों वाहनों का धुआं, निर्माण कार्यों से उड़ती धूल, खुले में कचरा जलाना और जनसंख्या का दबाव इस संकट को और गहरा करते हैं। यह कहना गलत नहीं होगा कि दिल्ली अब ह्यविकासह्ण के नाम पर अपने ही अस्तित्व को निगलने लगी है। इस वर्ष एक बार फिर दीपावली के पटाखों ने प्रदूषण का चरम स्तर पर पहुंचा दिया है। भले ही कतिपय सामाजिक व धार्मिक संगठनों के सबल आग्रह के बाद भी सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में सिर्फ पर्यावरण को कम हानि पहुंचाने वाले ग्रीन पटाखों की अनुमति दी थी, लेकिन प्रदूषण का स्तर बता रहा है कि यह प्रयास विफल रहा है। लोगों ने ग्रीन पटाखों की आड़ में प्रदूषण फैलाने वाले पटाखे जमकर फोड़े हैं। जो लोगों के आत्मघाती व्यवहार का ही परिचायक है। वैसे पर्यावरणविदों का मानना है कि ग्रीन पटाखे प्रदूषण नहीं फैलाते, यह सोच तार्किक नहीं है। दिल्ली में प्रदूषण की मौजूदा स्थिति को देखते हुए इस तर्क से सहमत हुआ जा सकता है।

फिर भी यह कहना भी उचित नहीं कि सरकारें कुछ नहीं कर रहीं। केंद्र और राज्य सरकारों ने पिछले वर्षों में कई योजनाएँ शुरू की हैं। रेखा गुप्ता के मुख्यमंत्री बनने एवं भाजपा की सरकार बनने के बाद इस समस्या को प्राथमिकता के आधार पर हल करने के उपक्रम हो रहे हैं। ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (जीआरएपी) लागू किया गया, जिसके अंतर्गत प्रदूषण के स्तर के अनुसार चरणबद्ध नियंत्रण उपाय किए जाते हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहित करने के लिए सब्सिडी दी गई, हजारों ई-बसें चलाई गईं, स्मॉग टावर लगाए गए और ह्लग्रीन दिल्ली ऐपह्ण के माध्यम से शिकायतों के समाधान की व्यवस्था की गई। पराली जलाने की समस्या से निपटने के लिए किसानों को वैकल्पिक मशीनें उपलब्ध कराई गईं और सब्सिडी दी गई। इन प्रयासों से कुछ हद तक राहत तो मिली, परंतु समस्या की जड़ अब भी जस की तस है क्योंकि यह समस्या केवल प्रशासनिक नहीं बल्कि सामाजिक और मानसिक भी है। हम कभी पराली जलाने और कभी पटाखे छोड़ने को इस संकट का कारण बताते हैं, लेकिन वास्तव में प्रदूषण के कारक हमारे तंत्र की नाकामी में हैं, जिसकी वजह से दिल्ली के अधिकांश इलाकों में एक्यूआई तीन सौ पचास का आंकड़ा पार कर गया। दीपावली के बाद भी हवा का जहरीला बना रहना बेहद गंभीर विषय है। शायद वजह यह भी हो कि लोगों ने कुछ इलाकों में दो दिन दिवाली मनाई। लेकिन इस सारे प्रकरण में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की कवायदें भी निष्फल ही नजर आईं। ग्रैप-2 का लागू होना स्थिति की गंभीरता को ही दशार्ता है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि दिल्ली में सर्दियों की शुरूआत होने पर वायु गुणवत्ता का संकट गहराने लगता है। जो दिल्ली की दिवाली के बाद प्राणवायु को ही दमघोंटू बनाने लगता है। हर साल शीर्ष अदालत की सक्रियता और सरकारी घोषणाओं के बावजूद स्थिति नहीं सुधरती तो यह हमारी आपराधिक लापरवाही की परिणति भी है।

प्रदूषण बढ़ाने के अनेक कारण कठोर कानून के बावजूद यत्र-तत्र पसरे हैं। लोग अब भी खुले में कचरा जलाते हैं, अपने घरों और दुकानों के बाहर धूल फैलाते हैं, पुराने वाहनों का उपयोग जारी रखते हैं। हरियाली घटती जा रही है, वृक्ष कट रहे हैं और नए पौधे लगाने की परंपरा खत्म होती जा रही है। यह लापरवाही केवल सरकार पर दोष डालने से नहीं मिटेगी, बल्कि इसके लिए नागरिक चेतना की आवश्यकता है। यह सच है कि सरकार कानून बना सकती है, नियम लागू कर सकती है, परंतु जब तक जनता अपनी आदतें नहीं बदलेगी तब तक प्रदूषण पर काबू पाना असंभव है। यदि हम अन्य महानगरों से तुलना करें तो दिल्ली की स्थिति सबसे दयनीय है। मुंबई, बेंगलुरु या कोलकाता की तुलना में यहाँ प्रदूषण का स्तर दोगुना से भी अधिक है। इसका कारण यह है कि दिल्ली न केवल स्थानीय प्रदूषण झेलती है बल्कि पड़ोसी राज्यों के प्रभाव में भी आती है। इसलिए समाधान भी क्षेत्रीय स्तर पर ही संभव है। केंद्र सरकार को राज्यों के बीच समन्वय स्थापित कर स्थायी नीति बनानी होगी ताकि पराली प्रबंधन, निर्माण नियंत्रण, औद्योगिक उत्सर्जन और वाहनों की नीति पर एकरूपता लाई जा सके। इस समय आवश्यकता है कि प्रदूषण को सिर्फ मौसमी समस्या नहीं बल्कि राष्ट्रीय आपदा के रूप में देखा जाए। जनता में पर्यावरणीय चेतना को विद्यालयों, संस्थाओं और धार्मिक संगठनों के माध्यम से फैलाया जाए। हर कॉलोनी में ग्रीन जोन विकसित हों, शहरी वनों का निर्माण हो, और हर व्यक्ति साल में कम से कम एक पेड़ लगाने का संकल्प ले। सार्वजनिक परिवहन का अधिक से अधिक उपयोग किया जाए और पुराने डीजल वाहनों को सख्ती से हटाया जाए। निस्संदेह, दिल्ली के प्रदूषण में अकेले पटाखों की ही भूमिका नहीं है, बल्कि लगातार बढ़ती आबादी का बोझ, हर साल बनने वाले एक लाख मकानों के निर्माण से फैलने वाला प्रदूषण तथा प्रतिवर्ष सड़कों पर उतरने वाली लाखों गाड़ियों का उत्सर्जन भी शामिल है। एक नागरिक के रूप में हमारा गैरजिम्मेदार व्यवहार इस संकट को बढ़ाने वाला है। दिल्ली का यह प्रदूषण दरअसल हमारे विकास मॉडल की असफलता का आईना है, जहाँ हमने सुविधाओं को तो बढ़ाया पर जीवन की मूलभूत आवश्यकता-स्वच्छ हवा को खो दिया। यह केवल सरकार की विफलता नहीं बल्कि समाज की सामूहिक असंवेदनशीलता का भी परिणाम है। यदि अब भी हमने चेतना नहीं दिखाई तो आने वाली पीढ़ियाँ स्वच्छ हवा को केवल इतिहास की किताबों में पढ़ेंगी। अब समय है कि हम राजनीति, दोषारोपण और उदासीनता से ऊपर उठकर सांस लेने के अधिकार के लिए एकजुट हों। क्योंकि प्रकृति का शोषण नहीं, संरक्षण ही सभ्यता की पहचान है और यदि हमने हवा को जहर बना दिया तो हमारे सारे विकास के प्रतीक बेमानी हो जाएंगे। सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि जब तक लोगों को यह अहसास नहीं होगा कि त्योहार के नाम पर जमकर जहरीले पटाखे छुड़ाना एक आत्मघाती कदम है, तब तक कोर्ट और सरकार के प्रयास विफल ही साबित होंगे। इसके लिए देश के राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक क्षेत्र के प्रतिनिधियों को साझी पहल करनी होगी। यह संकट सिर्फ दिल्ली या एनसीआर का नहीं है, मुंबई, कोलकाता आदि अनेक महानगरों के घातक प्रदूषण की चपेट में आने की खबरें हैं।

नीतीश पर संशय पैदा कर एनडीए को नुकसान पहुंचा सकता है महागठबंधन

-संजय सक्सेना

बिहार की राजनीति का माहौल इस समय एक बार फिर गर्म है और इसके केंद्र में हैं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार। जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव अपने निर्णायक दौर में पहुंच रहे हैं, राजनीतिक दलों की बयानबाजी ने एक नया मोड़ ले लिया है। एनडीए की ओर से जहाँ बार-बार यह दावा किया जा रहा है कि चुनाव के बाद भी नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री बने रहेंगे, वहीं महागठबंधन, खासकर तेजस्वी यादव और कांग्रेस, इस दावे को झूठा बताते हुए प्रचार कर रहे हैं कि भाजपा चुनाव जीतने के बाद नितीश कुमार को किनारे कर अपना मुख्यमंत्री बनाएगी। यह मुद्दा अब चुनावी विमर्श का केंद्र बन चुका है और इसका असर मतदाताओं की धारणा पर साफ दिखने लगा है।

गौरतलब हो, बिहार में राजनीतिक समीकरण हमेशा कुछ अप्रत्याशित रहे हैं। नीतीश कुमार का रिकॉर्ड है कि वे समय और माहौल देखकर गठबंधन और दिशा बदलते रहे हैं। लेकिन इस बार परिस्थिति उल्टी नजर आ रही है। भाजपा के साथ रहते हुए भी उनके नेतृत्व को लेकर सवाल उठ रहे हैं। पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं ने सार्वजनिक रूप से यह कहकर स्थिति स्पष्ट करने की कोशिश की है कि एनडीए में मुख्यमंत्री पद के लिए नीतीश कुमार ही फेस हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह तक ने मंच से यह बात दोहराई है कि ह्लमुख्यमंत्री नीतीश ही रहेंगे। बावजूद इसके, विपक्ष ने इस मुद्दे को लेकर संशय का माहौल बना दिया है, जो धीरे-धीरे मतदाताओं के मन में आकार ले रहा है। तेजस्वी यादव इसे अपने चुनाव अभियान का प्रमुख हथियार बना चुके हैं। उनकी लगभग हर सभा में यह बात दोहराई जा रही है कि भाजपा अब नीतीश कुमार पर भरोसा नहीं करती और चुनाव जीतने के बाद तुरंत उन्हें हटा देगी। कांग्रेस के नेता भी इसी सुर में बोल रहे हैं, ताकि मतदाता यह मान लें कि एनडीए के भीतर एक छिपी कलह मौजूद है। जनता के सामने एक सवाल खड़ा किया जा रहा है, क्या नीतीश कुमार का चेहरा सिर्फ चुनावी पोस्टर के लिए है? इस धारणा को फैलाकर विपक्ष यह संदेश देने में लगा है कि एनडीए के पास स्थायी नेतृत्व नहीं है, जबकि महागठबंधन का नेतृत्व तैयार और स्थिर है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मतदाताओं के बीच ऐसी भ्रम की स्थिति कई बार चुनाव के परिणाम पर निर्णायक असर डालती है। खासकर ग्रामीण इलाकों में, जहां मतदाता व्यक्तिगत भरोसे के आधार पर मतदान करते हैं, वहां सीएम के चेहरे को लेकर अनिश्चितता वोटों के हिस्से को प्रभावित कर सकती है। नीतीश कुमार का वोट बेस मुख्यतः उस वर्ग से आता है जो स्थिरता और संतुलित शासन चाहता है। यदि यही स्थिरता सवालों के घेरे में आती है, तो विपक्ष को लाभ हो सकता है। कई राजनीतिक पंडित यह भी मानते हैं कि भाजपा और जदयू के बीच पिछले वर्षों में जिस प्रकार का अविश्वास का माहौल रहा है, वह अब जनता के बीच चर्चा का विषय बन गया है।

एनडीए के रणनीतिकार इस प्रचार का जवाब देने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। भाजपा के राष्ट्रीय और राज्य नेतृत्व लगातार यह कहते हुए सभाओं में जा रहे हैं कि नीतीश कुमार के बिना बिहार की राजनीति की स्थिरता संभव नहीं है। वे इसे विकास बनाम भ्रम की लड़ाई के रूप में जनता के सामने रख रहे हैं। दूसरी ओर, जदयू के कार्यकर्ता अपने प्रयासों से मुख्यमंत्री के नाम पर स्पष्टता बनाए रखने में जुटे हैं। उनके अनुसार विपक्ष सिर्फ असत्य प्रचार से जनता को गुमराह करना चाहता है, क्योंकि तेजस्वी यादव अब तक अपने नेतृत्व की विश्वसनीयता साबित नहीं कर सके हैं। लेकिन अगर जनता के मन में एक बार संशय बैठ गया, तो उसे दूर करना आसान नहीं होता। यह सच है कि नीतीश कुमार के लंबे राजनीतिक अनुभव और प्रशासनिक क्षमता को जनता ने कई बार देखा है, परंतु भाजपा के बढ़ते प्रभुत्व के बीच उनकी भूमिका अब पहले जैसी निर्णायक नहीं दिखती। एनडीए के अंदर के समीकरण और सत्ता का केंद्र धीरे-धीरे भाजपा की ओर खिसक गया है। यही कारण है कि विपक्ष को यह मुद्दा भुनाने का मौका मिल गया है।

दूसरी ओर, महागठबंधन इस माहौल को अपने पक्ष में मोड़ने की रणनीति पर काम कर रहा है। तेजस्वी यादव जनता के सामने खुद को स्थायी और युवा नेतृत्व के रूप में पेश कर रहे हैं। उनका तर्क है कि भाजपा नीतीश कुमार का इस्तेमाल तो कर सकती है, लेकिन उन्हें सम्मानजनक स्थान नहीं दे सकती। कांग्रेस और वामपंथी दल भी इस बयानबाजी को हवा देकर बिहार के सामाजिक समीकरणों में असंतुलन पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। जनमत सर्वेक्षणों में अब तक यह साफ दिखा है कि मतदाता नीतीश कुमार को एक अनुभवी प्रशासक मानते हैं, लेकिन भाजपा की ओर से भविष्य के नेतृत्व के बारे में बढ़ती चचाएं उन्हें असमंजस में डाल रही हैं। यही असमंजस महागठबंधन के लिए अवसर में बदल सकता है। राजनीतिक रूप से यह संशय की राजनीति बिहार के चुनाव में प्रमुख भूमिका निभा सकती है। अंततः बिहार की जनता के लिए यह चुनाव केवल विकास या जातीय समीकरणों का नहीं बल्कि भरोसे का भी चुनाव बन गया है। कौन नेतृत्व स्थिरता देगा? कौन गठबंधन लंबे समय तक जनता की आकांक्षाओं को पूरा करेगा? इन सवालों का जवाब नतीजों में छिपा है। अगर एनडीए मतदाताओं को यह भरोसा दिलाने में सफल रहता है कि नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री रहेंगे, तो वह लाभ की स्थिति में रहेगा। लेकिन अगर यह संशय बढ़ता रहा, तो महागठबंधन आने वाले परिणामों में अप्रत्याशित लाभ उठा सकता है। बिहार की सियासत में यह संशय ही आगामी चुनावों का सबसे बड़ा निर्णायक मुद्दा बन गया है।

कायस्थ राजवंशो का ऐतिहासिक गौरव

भारतीय समाज में हमेशा कायस्थ समुदाय का एक विशिष्ट और महत्वपूर्ण स्थान रहा है। परंपरागत रूप से लेखन, प्रशासन और राजकीय कार्यों से जुड़े इस समुदाय ने न केवल प्रशासकों और मंत्रियों के रूप में बल्कि स्वतंत्र शासकों और राजवंशों के रूप में भी भारतीय इतिहास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। राजा टोडरमल अकबर के प्रमुख दरबारी थे । कायस्थ राजवंशों के ऐतिहासिक योगदान, उनके शासन क्षेत्रों और वर्तमान परिदृश्य में उनकी स्थिति का विश्लेषण इतिहास में महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

कायस्थ समुदाय की उत्पत्ति के बारे में विभिन्न मत हैं। पौराणिक परंपरा के अनुसार, कायस्थ चित्रगुप्त के वंशज माने जाते हैं। पद्म पुराण में उल्लेख है कि चित्रगुप्त जी के दो विवाह हुए और उनके कुल बारह पुत्र हुए, जिनसे कायस्थों की विभिन्न उपशाखाएं विकसित हुईं। इतिहासकारों के अनुसार, गुप्त काल से पूर्व ही बंगाल में कायस्थ पद की स्थापना हो चुकी थी।

बंगाल में कायस्थ समुदाय का इतिहास विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। मुस्लिम विजय के पश्चात, बंगाली कायस्थों ने क्षेत्र के पुराने हिंदू शासक वंशों सेन, पाल, चंद्र और वर्मन राजवंशों का प्रतिनिधित्व किया। इस प्रकार वे बंगाल के सरोगेट शासक योद्धा बन गए। बंगाली कायस्थ कई कुलों में विभाजित थे, जिनमें कुलीन कायस्थ उच्च श्रेणी के थे। पारंपरिक कथाओं के अनुसार, बोस, घोष, मित्रा, गुहा और दत्ता पांच प्रमुख बंगाली कायस्थ उप जातियां थे। गौड़ कायस्थों में नंदी, पाल, इंद्र, कर, भद्र, धर, ऐच, सुर, दाम, बर्धन, शील, चाकी और आध्य जैसे प्रमुख कुल शामिल थे।

ऐतिहासिक अभिलेखों में उल्लेख है कि गौड़ कायस्थों में महाभारत काल के भागदत्त और कलिंग के रुद्रदत्त जैसे राजा हुए थे।

मध्यकाल में बंगाल के विभिन्न क्षेत्रों में कायस्थ परिवारों ने स्थानीय शासन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन परिवारों ने न केवल राजनीतिक सत्ता का प्रयोग किया बल्कि बंगाल की सांस्कृतिक और बौद्धिक परंपराओं को भी समृद्ध किया। बंगाली कायस्थों का योगदान केवल राजनीति तक सीमित नहीं था, बल्कि वे साहित्य, कला और शिक्षा के क्षेत्र में भी सदैव अग्रणी बने रहे।

दक्षिण भारत में, विशेष रूप से आंध्र प्रदेश में, कायस्थ राजवंश ने तेरहवीं शताब्दी में शासन किया। यद्यपि वे नाममात्र रूप से काकतीय राजवंश के अधीन थे, किंतु व्यावहारिक रूप से वे स्वतंत्र शासक थे। कायस्थ राजवंश ने आंध्र में पनुगल से मार्जवाड़ी तक विशाल क्षेत्र पर शासन किया, जिसकी राजधानियां वल्लूर और गांडिकोटा थीं। इस राजवंश में चार शासक हुए, जो सभी महान योद्धा और प्रशासक के रूप में विख्यात थे। गांडिकोटा का किला आज भी उनकी स्थापत्य कला और सैन्य दक्षता का प्रमाण है। यह किला अपनी सुरक्षा व्यवस्था और रणनीतिक स्थिति के लिए प्रसिद्ध था और कायस्थ राजाओं की सैन्य कुशलता को प्रदर्शित करता है।

उत्तर भारत में चित्रगुप्तवंशी कायस्थों की विभिन्न शाखाएं थीं जिनमें अंभिष्ट, अस्थाना, बाल्मीक, भटनागर इत्यादि थीं। ग्यारहवीं शताब्दी के बाद के शिलालेखों में विभिन्न क्षेत्रीय वंशों का उल्लेख मिलता है जो उत्तर भारतीय कायस्थों की शाखाओं से संबंधित थे। इन वंशों को उनकी सामान्य व्यावसायिक विशेषज्ञता के साथ पहचाना जाता था और जिनके सदस्य मध्यकालीन राज्यों के प्रशासन में विशेष रूप से प्रभावशाली हो गए थे। कुछ कायस्थों ने सैन्य कमांडरों और क्षेत्रीय शासकों के रूप में भी पद संभाले। उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों में कायस्थ मंत्रियों, सेनापतियों और सलाहकारों के रूप में राजदरबारों में महत्वपूर्ण स्थान थे।

कायस्थों ने केवल राजनीतिक शासन ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और प्रशासनिक क्षेत्रों में भी अद्वितीय योगदान दिया। चित्रगुप्तवंशी कायस्थ और बंगाली कायस्थ पारंपरिक रूप से प्रारंभिक मध्ययुगीन राज्यों में हिंदू राजाओं के लिए प्रशंसा भाषण और स्तोत्र लिखने के लिए जिम्मेदार थे, जिन्हें प्रशस्ति के रूप में जाना जाता है। वे वित्तमंत्री, सेनाध्यक्ष और शासक के सलाहकार के रूप में नियुक्त किए जाते थे। उनकी लेखन कला, भाषा ज्ञान और प्रशासनिक कौशल ने उन्हें राजदरबारों में अपरिहार्य बना दिया था। कायस्थों ने राजकीय अभिलेखों का रखरखाव, राजस्व प्रबंधन और न्यायिक कार्यों में भी लगातार महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ब्रिटिश शासन के दौरान, बंगाली कायस्थों और बंगाली ब्राह्मणों ने उच्च शिक्षा और सरकारी सेवाओं में महत्वपूर्ण प्रगति की। उनकी पारंपरिक लेखन और प्रशासनिक कुशलता ने उन्हें औपनिवेशिक प्रशासन में महत्वपूर्ण पद दिलाने में मदद की। इस दौरान कायस्थ समुदाय ने शिक्षा, साहित्य, कला और राजनीति में बहुत अग्रणी भूमिका निभाई। अंग्रेजी शिक्षा को अपनाने में कायस्थ समुदाय अग्रणी रहा और इसने उन्हें आधुनिक व्यवसायों और सेवाओं में प्रवेश का अवसर प्रदान किया। बंगाल में नवजागरण काल में भी कायस्थ समुदाय के कई विद्वानों, लेखकों और सुधारकों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

आधुनिक भारत में कायस्थ समुदाय एक उच्च शिक्षित और सामाजिक ,आर्थिक रूप से प्रगतिशील समुदाय के रूप में स्थापित है। शिक्षा, प्रशासन, व्यापार, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, कानून और कला के क्षेत्र में कायस्थ समुदाय के सदस्यों ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। ऐतिहासिक रूप से लेखन और प्रशासन से जुड़े होने के कारण, समुदाय ने आधुनिक शिक्षा को शीघ्रता से अपनाया और विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों में अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति दर्ज की। आज भारतीय नौकरशाही, न्यायपालिका, शिक्षा जगत और व्यावसायिक क्षेत्रों में कायस्थ समुदाय का महत्वपूर्ण प्रतिनिधित्व है।

वर्तमान में कायस्थ समुदाय भारतीय राजनीति में सक्रिय भागीदारी रखता है। विभिन्न राज्यों में कायस्थ नेता महत्वपूर्ण राजनीतिक पदों पर आसीन हैं। हालांकि, परंपरागत शाही परिवारों की तरह राजवंशीय शासन की प्रणाली अब विद्यमान नहीं है, फिर भी कुछ पुराने कायस्थ राजपरिवारों के वंशज अभी भी सामाजिक और सांस्कृतिक प्रतिष्ठा बनाए हुए हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था में कायस्थ समुदाय ने अपनी पारंपरिक प्रशासनिक कुशलता और शिक्षा के प्रति लगाव को बनाए रखते हुए राष्ट्र निर्माण में योगदान दिया है।

कायस्थ समुदाय अपनी सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं को संरक्षित करने के लिए सक्रिय रहा है। चित्रगुप्त पूजा, जो कायस्थों का प्रमुख त्योहार है, आज भी बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। विभिन्न कायस्थ सभाओं और संगठनों ने समुदाय के इतिहास, संस्कृति और योगदान को दस्तावेजित करने और प्रचारित करने के प्रयास किए हैं। समुदाय ने शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों और सामाजिक कल्याण संगठनों की स्थापना में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। कायस्थ पाठशाला, विभिन्न ट्रस्ट और फाउंडेशन समाज के विकास में सक्रिय हैं। ये संस्थाएं न केवल समुदाय के सदस्यों की सहायता करती हैं बल्कि व्यापक समाज के कल्याण में भी योगदान देती हैं।

आधुनिक भारत में कायस्थ समुदाय भी पारंपरिक पहचान और आधुनिक व्यावसायिकता के बीच संतुलन बनाने का प्रयास कर रहा है। युवा पीढ़ी में वैश्विक दृष्टिकोण और व्यापक सामाजिक एकीकरण की प्रवृत्ति बढ़ रही है। साथ ही, समुदाय अपनी ऐतिहासिक विरासत को भुलाए बिना समकालीन भारतीय समाज में अपनी भूमिका को पुनर्परिभाषित कर रहा है। शिक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और उद्यमिता के क्षेत्रों में कायस्थ युवा पीढ़ी नए आयाम स्थापित कर रही है।

कायस्थ समुदाय का इतिहास भारतीय इतिहास का एक समृद्ध अध्याय है। प्राचीन काल में महाभारत के योद्धाओं से लेकर मध्यकाल में बंगाल, आंध्र और उत्तर भारत के शासकों तक, कायस्थों ने राजनीतिक, प्रशासनिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में अपनी अमिट छाप छोड़ी है। यद्यपि पारंपरिक राजवंशीय शासन अब इतिहास का हिस्सा बन गया है, किंतु कायस्थ समुदाय ने आधुनिक लोकतांत्रिक भारत में भी शिक्षा, व्यवसाय, प्रशासन और राजनीति में अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति बनाए रखी है। चंद्रसेनीय कायस्थ प्रभु (महाराष्ट्र और गुजरात) अर्थात पश्चिमी भारत में शासन और प्रशासन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं। यह उपजाति आज भी मुख्य रूप से महाराष्ट्र और गुजरात में प्रशासनिक और पेशेवर क्षेत्रों में महत्वपूर्ण स्थान रखती है।

कुछ स्त्रोतों में सातवाहन और परिहार कायस्थ राजवंशों का उल्लेख है, जो मध्य भारत में सत्ता में रहे थे। मंडला के गौंड राजाओं ने दीवानी कार्यों के लिए हमारे कायस्थ परिवार को उत्तरप्रदेश से मंडला बुलवाया था , वहां हमारा घर आज भी ₹महलात₹ कहलाता है। भोपाल रियासत में भी कायस्थ बड़े बड़े ओहदों पर रहे हैं। एतमातदोला राजा छक्कू लाल नसरते जंग रियासत के वजीर थे। आखिरी राजा सर अवध नारायण जी रियासत भोपाल के वजीर थे उन्होंने ही रियासत के भारत गणराज्य में शामिल होने के इकरार नामे पर दस्तखत किए थे । आज भी उनका परिवार भोपाल में उनकी कोठी में रहता है । भोपाल में गिन्नौरी की बगिया राजा छक्कू लाल के समय की आज भी मौजूद है। वर्तमान में, समुदाय की चुनौती यह है कि वह अपनी गौरवशाली विरासत को संरक्षित करते हुए भी समकालीन भारत के बहुलवादी और समावेशी समाज में सक्रिय योगदान दे। कायस्थ समुदाय की यात्रा प्राचीन शासकों से आधुनिक पेशेवरों तक, परिवर्तन और निरंतरता दोनों की कहानी है, जो भारतीय सभ्यता की गतिशीलता और लचीलेपन को दशार्ती है। इस समुदाय का इतिहास यह सिखाता है कि परंपरा और आधुनिकता के बीच सामंजस्य स्थापित करना संभव है और एक समुदाय अपनी विशिष्ट पहचान बनाए रखते हुए भी राष्ट्रीय मुख्यधारा का अभिन्न अंग बन सकता है। कायस्थ राजवंशों का इतिहास व्यापक और जटिल है, किन्तु कायस्थ जहां भी रहे हैं सदैव प्रभावी बने रहे।

(विवेक रंजन श्रीवास्तव-विनायक फीचर्स)

पीयूष पांडे: शब्दों से दिलों में उतरने वाला जादूगर चला गया

-निरंजन परिहार

पीयूष पांडे संसार से चले गए, लेकिन संसार की सांसों में रहेंगे, आने वाली कई पीढ़ियों तक। क्योंकि जब भी कोई विज्ञापन दिल को छू जाएगा, वहां कहीं न कहीं पीयूष पांडे की आत्मा जरूर महसूस होगी। भारतीय विज्ञापन जगत का नाम लेते ही, जो चेहरा सबसे पहले सामने आता है, वह है पीयूष पांडे। वह शख्स जिसने विज्ञापन की दुनिया को महज प्रोडक्ट बेचने का जरिया नहीं, उसके प्रचार का साधन भी नहीं, बल्कि भावनाओं की भाषा बना दिया। उनके बनाए विज्ञापनों ने न सिर्फ. ब्रांड्स को ऊंचाई दी, बल्कि लोगों के दिलों में भी सदा के लिए जगह बनाई। पीयूष पांडे की जिंदगी की कहानी सिर्फ.एक सफल करियर की नहीं, बल्कि शब्दों से भावनाएं गढ़ने वाले कलाकार की है। उनकी बनाई दुनिया में हर विज्ञापन एक ख्वाब रचता रहा – जो मुस्कान देता है, यादें बनाता है और कहीं न कहीं हमें अपने भीतर झांकने पर मजबूर करता है। पंद्रह बरस पहले की बात है, जब उनके ऑफिस में मिलने जाना हुआ, तो वहां कोई कागज नहीं दिख रहा था और न ही पेन थी। पूछा कि लिखते कैसे हैं, तो बोले झ्र शब्द जादू होते हैं, वे दिमाग में उपजते हैं, और दिल पर अंकित हो जाते हैं, बस...। वे वन लाइनर के शहंशाह थे।

पीयूष पांडे के कई विज्ञापन यादगार के रूप में हर जुबान पर हैं। लूना मोपेड स्कूटर के 'चल मेरी लूना' के विज्ञापन से पीयूष ने पहली बार अपनी राष्ट्रीय पहचान बनाई, और विडंबना देखिए कि उन्होंने अपना यह पहला विज्ञापन पहली बार देखा भी तो, अपने पड़ोसी के घर में चल रहे ब्लैक एंड वाइट टीवी सेट पर, और वह भी गली में बाहर खड़े होकर खिड़की से। उनके एशियन पेंट्स के हर घर कुछ कहता है, विज्ञापन ने घर को सिर्फ दीवारों से नहीं, भावनाओं से जोड़ा। फेविकोल का जोड़, ऐसा जो टूटे ना ने साधारण एडहेसिव के विज्ञापन को हास्य और संवेदना से उन्होंने इतना ताकतवर बना दिया कि ब्रांड अमर हो गया। केडबरी का ह्यकुछ खास है जिंदगी में, ने भारतीय उपभोक्ता के जीवन में मिठास और भावनाओं को एक नया अर्थ दिया। इसी तरह ह्यमिले सुर मेरा तुम्हारा ने देश की एकता और विविधता को सुरों में पिरोकर सदा के लिए दिलों में बसा दिया। मोबाइल कंपनी हच के लिए लिखा - जहां तुम, वहां हम फेवीक्विक के तोड़ो नहीं, जोड़ो और पॉन्ड्स के लिए गूगली वूगली वूश सहित बजाज स्कूटर के लिए हमारा बजाज जैसे उनके हर कैंपेन में एक बात समान रही – भारतीयता, सहजता और भावनात्मक जुड़ाव।

राजस्थान की गुलाबी जयपुर में एक ब्राह्मण साधारण परिवार में 5 सितंबर 1955 को जन्मे पीयूष पांडे की परवरिश ऐसे माहौल में हुई, जहां भाषा, भावना और संवेदना का परस्पर गहरा असर था। ह्यये फेविकोल को जोड़ है, टूटेगा नहीं, लिखने वाले पीयूष पांडे की सांसें 24 अक्टूबर की सुबह 5.50 बजे टूट गईं। परिवार का माहौल सांस्कृतिक था, सो बचपन से ही शब्दों के साथ उनका रिश्ता बड़ा गहरा था, शायद यही कारण है कि आगे चलकर उन्होंने शब्दों की जादूगरी का रहस्य जान लिया। पीयूष पांडे कहते थे कि उनका जन्म एक क्रिएटिव फैक्ट्री में हुआ था, जो कि सच भी था। जयपुर में पले - बढ़े पीयूष पांडे नौ भाई-बहनों वाले एक बड़े परिवार से थे, जिनमें कुल सात बहनें और दो भाई थे। छोटे भाई प्रसून पांडे फिल्म निमार्ता हैं। बहन इला अरुण जानी मानी अभिनेत्री और गायिका, तृप्ति पांडे नामी लेखिका और रमा पांडे बीबीसी की चर्चित अनाउंसर हैं। सेंट स्टीफेंस कॉलेज, दिल्ली से उन्होंने पढ़ाई की और क्रिकेटर के रूप में वे राजस्थान रणजी टीम के कप्तान भी रहे। पीयूष पांडे के शब्द कभी भारी-भरकम नहीं रहे, बल्कि सहज, सरल होने के बावजूद बेहद असरदार रहे। उनकी भाषा बोलचाल की, और शैली जीवंत है। वे जानते थे कि अच्छा विज्ञापन वही है, जो सीधे दिल में उतर जाए। उनका लेखन किसी कवि की तरह भावनात्मक और बाजार की तरह शुद्ध व्यावहारिक था, और यही संतुलन उन्हें अद्वितीय बनाती है। उनके शब्दों में विक्रय नहीं, संवाद था। उनके विज्ञापन इंसान की तरह सोचते थे, मशीन की तरह नहीं। उनकी इसी सोच ने उन्हें बाकी क्रिएटिव लोगों से सदा ऊपर रखा। चाहे ह्यहर घर कुछ कहता है हो या कुछ खास है और या फिर भले ही हो गीत मिले सुर मेरा तुम्हारा, पांडे का हर कैंपेन भारतीयता की मिट्टी से सना हुआ लगता है। अबकी बार मोदी सरकार का नारा उन्होंने लिखा तो सारा देश मोदी मोदी कर उठा।

पांडे ने अपने करियर की शुरूआत 1980 के दशक में ओ एंड एम के नाम से मशहूर विज्ञापन कंपनी ऑगिल्वी एड मैदर से की। उस दौर में भारतीय विज्ञापन उद्योग पश्चिमी प्रभावों से भरा हुआ था, लेकिन पीयूष पांडे ने उसे भारतीय भावनाओं की जमीन पर उतारा। जीवन के शुरूआती वर्षों में उन्होंने अर्थशास्त्र और मानव मन दोनों को गहराई से समझा, जिसने आगे उनके विज्ञापन लेखन को एक विशेष गहराई दी। उनका मानना था कि अगर भारतीयों से जुड़ना है, तो भारत के दिल की भाषा बोलनी होगी। उन्होंने सिखाया कि विज्ञापन सिर्फ. सामान बिकवाने का नहीं, लोगों को उससे जोड़ने का माध्यम होते है। इसी सोच ने उन्हें विज्ञापन की दुनिया का एड गुरू बना दिया। ओगिल्वी ने उनके निधन पर श्रद्धांजलि स्वरूप जो विज्ञापन दिया, वह भी कमाल का है।

पीयूष पांडे को न केवल भारत में बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी सराहा गया। वे 'ओगिल्वी वर्ल्डवाइड' के चीफ क्रिएटिव ऑफिसर बने, यह पद पाने वाले वे पहले भारतीय थे। उन्होंने कई बार 'कांस लॉयंस' जैसे प्रतिष्ठित विज्ञापन पुरस्कार जीते। उन्हें पद्मश्री से भी सम्मानित किया गया, जो इस क्षेत्र में उनके योगदान की आधिकारिक मान्यता रही। दुनिया पीयूष पांडे को केवल एक विज्ञापन विशेषज्ञ के रूप में नहीं, बल्कि उस व्यक्ति के रूप में याद रखेगी जिसने भारत की आत्मा को ब्रांड्स के जरिए दुनिया तक पहुंचाया। वे कहते थे कि ब्रांड्स को इंसान की तरह पेश करो, तभी लोग उनसे जुड़ेंगे। आज जब वे इस दुनिया में नहीं है, तो कह सकते हैं कि वे प्रेरणा बनकर उन तमाम युवाओं के दिलों में रहेंगे जो रचनात्मक सोच से समाज में बदलाव लाना चाहते हैं। आज और आने वाले कल में, जब भी कोई विज्ञापन दिल को छू जाएगा, वहां कहीं न कहीं पीयूष पांडे की आत्मा जरूर महसूस होगी।

क्रॉम्पटन की नई एआई फिल्म में झलका छठ पूजा का भाव

पटना। भारत में करोड़ों लोगों के लिए छठ पूजा आस्था, पवित्रता और कृतज्ञता का पर्व है जहां हर अनुष्ठान, सुबह के अर्घ्य से लेकर शाम की प्रार्थना तक जल के इर्द-गिर्द केंद्रित होता है। यह सुनिश्चित करते हुए कि हर घर में अविरल जल आपूर्ति के साथ त्यौहार का अनुभव हो, भारत के सबसे भरोसेमंद उपभोक्ता विद्युत ब्रांडों में से एक, क्रॉम्पटन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने इस अवसर का जश्न मनाते हुए एक दिल को छू लेने वाली एआई संचालित शॉर्ट फिल्म लॉन्च की है, जो ह्लजहां क्रॉम्पटन, वहां भरोसाह्व के ब्रांड वादे से निकटता से जुड़ी है। यह फिल्म इस बात का जश्न मनाती है कि कैसे क्रॉम्पटन पंप्स वर्षों से परिवारों की पीढ़ियों से जुड़कर मौन सहयोगी बने हैं-चाहे वह अनुष्ठानिक स्नान के लिए अविरल जल आपूर्ति हो, ठेकुआ, खीर और कद्दुआ-भात जैसे त्यौहार में बनाए जाने वाले पारंपरिक व्यंजन तैयार करना हो, या उगते और अस्त होते सूर्य को अर्घ्य अर्पित करना हो। परंपरा और नवाचार के इस सुंदर संगम के माध्यम से, फिल्म ने छठ पूजा के भावनात्मक महत्व को क्रॉम्पटन के भरोसे, विश्वसनीयता और उत्कृष्ट प्रदर्शन के वादे से खूबसूरती से जोड़ा है।

चांदिवली विधानसभा के आमदार दिलीप लांडे का जन्मदिन मनाया गया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। चांदिवली विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय आमदार दिलीप (मामा) लांडे का जन्मदिन आज उत्साह और हर्षोल्लास से मनाया गया। यह कार्यक्रम सेंट ज्यूड बालवाडी मैदान, 90 फिट रोड, काजूपाडा, अंधेरी-कुर्ला रोड, कुर्ला (मुंबई) में आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम में दिलीप (मामा) लांडे जी का शॉल और पुष्पगुच्छ देकर सत्कार किया गया तथा उन्हें जन्मदिन की हार्दिक शुभेच्छाएँ दी गईं। इस अवसर पर समाजसेवक, विभिन्न सामाजिक संघटन एवं राजनीतिक पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से परिवर्तन संघटन, भामला फाउंडेशन, सनातन सेना फाउंडेशन, शिवसेना (शिंदे गट) तथा गृह संकुल इमारत महाराष्ट्र व मुंबई से जुड़े सदस्य मौजूद रहे। इनमें श्रद्धा गोरगे, सुखबिंदर सिंह (लाला भाई), अमित गोरगे समेत चांदिवली विधानसभा क्षेत्र की जनता ने भी आमदार लांडे जी को हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम के अंत में आमदार दिलीप (मामा) लांडे जी ने सभी उपस्थित अतिथियों एवं समर्थकों का आभार व्यक्त किया तथा अल्पाहार की व्यवस्था कर सभी का स्वागत किया।

ज्येष्ठ नागरिकों के लिए भ्रमंती योग कट्टा बना वरदान

◆प्रल्हाद म्हात्रे ने कहा योग कट्टा से बुजुर्ग रहेंगे निरोगी

डोंबिवली। डोंबिवली पश्चिम में मनसे के प्रल्हाद म्हात्रे ने एक अनोखी पहल की है, जिसमें उन्होंने ज्येष्ठ नागरिकों के लिए भ्रमंती योग कट्टा बनाया है। यह योग कट्टा न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए उपयोगी है, बल्कि मानसिक शांति और तनावमुक्ति के लिए भी फायदेमंद है।

प्रल्हाद म्हात्रे ने बताया कि वे भविष्य में भी इस तरह की पहल करते रहेंगे, जिससे ज्येष्ठ नागरिकों को और अधिक सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने कहा कि यह योग कट्टा ज्येष्ठ नागरिकों के लिए एक वरदान साबित होगा।

बतादे की डोंबिवली पश्चिम क्षेत्र के रेलवे बावन चाल मैदान में वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक योग कट्टा बनाया गया है। इस कट्टे से शारीरिक बीमारियों को दूर रखना, फेफड़ों की क्षमता बढ़ाना, श्वसन प्रणाली को मजबूत करना, रक्त परिसंचरण में सुधार करना, जोड़ों के दर्द से छुटकारा पाना, तनाव-मुक्त और चिंता मुक्त जीवन जीना आसान होगा।

डोंबिवली विधानसभा अध्यक्ष प्रहलाद म्हात्रे की पहल पर, दिवाली के अवसर पर बुजुर्गों के लिए यह योगा कट्टा समर्पित किया गया।

घाटकोपर में चार दिन और तीन रातों में बनाया गया तोरणा किल्ला, शिवाई ग्रुप की पहल

मुंबई। घाटकोपर पश्चिम के इंदिरा नगर स्थित शिव छाया कृपा चाल परिसर में शिवाई ग्रुप के 25 उत्साही युवाओं और बच्चों ने सिर्फ चार दिन और तीन रातों की कड़ी मेहनत से मिट्टी का तोरणा किला तैयार किया है। दीपावली के अवसर पर यह सुंदर किला इलाके का मुख्य आकर्षण बन गया है। इस उपक्रम के लिए अंकुश उतेकर ने मिट्टी और अन्य आवश्यक सामग्रियों की व्यवस्था के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान किया। शिवाई ग्रुप का यह लगातार दूसरा वर्ष है। पिछले वर्ष उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज के जन्मस्थान शिवनेरी किला की प्रतिकृति तैयार की थी। इस वर्ष, शिवाजी महाराज द्वारा कम उम्र में जीता गया पहला किला तोरणा गढ़ प्रेरणा स्त्रोत के रूप में चुना गया। अंकुश उतेकर ने बताया, इस पहल का उद्देश्य बच्चों को छत्रपति शिवाजी महाराज के पराक्रम, दूरदृष्टि और गढ़किलों के ऐतिहासिक महत्व से परिचित कराना है। शिवाई ग्रुप का संकल्प केवल दीपावली तक सीमित नहीं है। समूह ने निश्चय किया है कि वे हर वर्ष एक किले की प्रतिकृति बनाकर शिवनेरी से लेकर शिवाजी महाराज द्वारा जीते गए अंतिम किले तक का पूरा इतिहास साकार करेंगे।

मीरा भायंदर में सार्वजनिक शौचालयों के लिए 50 करोड़ रुपये का फंड स्वीकृत

तारकेश्वर पांडे

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर महानगरपालिका क्षेत्र में पिछले कई वर्षों से चली आ रही सार्वजनिक शौचालयों की कमी की समस्या अब हल होने जा रही है। नागरिकों को मिलने वाली मूलभूत नागरिक सुविधाओं में शौचालय एक अनिवार्य तत्व है, और महानगरपालिका की आर्थिक तंगी के कारण इस दिशा में विकास कार्य नहीं हो पा रहे थे। हालांकि इस गंभीर समस्या पर महाराष्ट्र राज्य परिवहन मंत्री और धाराशिव जिले के पालक मंत्री एवं स्थानीय विधायक प्रताप इंदिराबाई बाबूराव सरनाईक ने लगातार ध्यान दिया है और राज्य सरकार से 50 करोड़ रुपये की निधि स्वीकृत कराई है।

हर नागरिक को सम्मान के साथ जीने का अधिकार है। मीरा भायंदर की साफ-सुथरी और सुसज्जित यात्रा अब एक हकीकत है। इस निधि का उपयोग मीरा भायंदर में नए सार्वजनिक शौचालयों के निर्माण और पुराने शौचालयों की मरम्मत के लिए किया जाएगा, और यह मनपा के इतिहास में पहली बार है कि इतनी बड़ी राशि उपलब्ध कराई गई है। आज इस कार्य का आधिकारिक रूप से शुभारंभ हो गया है, और 36 स्थानों पर नए शौचालयों का निर्माण और मरम्मत का कार्य तत्काल शुरू हो गया है। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री सरनाईक ने कहा, मीरा भायंदर के आम नागरिक, विशेष रूप से झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले आम लोग, शौचालयों की कमी के कारण अभी भी पीड़ित हैं। यह सुविधा प्राप्त करना उनका अधिकार है। इस शहर के जनप्रतिनिधि के रूप में, प्रत्येक नागरिक को बुनियादी सुविधाएं प्रदान करना मेरी जिम्मेदारी है। इसीलिए मैंने सार्वजनिक शौचालयों के निर्माण और मरम्मत के लिए राज्य सरकार से 50 करोड़ रुपये की निधि का प्रावधान किया है। साथ ही, नगर निगम बनने के बाद, कई शौचालय नमक दलदल और वन विभाग की जमीन पर बने हैं, जिसकी वजह से मरम्मत की अनुमति नहीं मिल पा रही थी। इस संबंध में, हम अगले हफ्ते संबंधित विभागों के साथ बैठक करेंगे और इन समस्याओं के समाधान का निर्णय लेंगे। इसके साथ ही, 146 विधानसभा क्षेत्रों के विधायक होने के नाते, मैंने अपने विधायक निधि से भूमिगत पाइपलाइन बिछाकर, जहां तक संभव हो, हर घर में शौचालय की सुविधा उपलब्ध कराने का संकल्प लिया है। मीरा भायंदर अब सार्वजनिक शौचालयों की समस्या से मुक्त हो जाएगा।

पालघर जिले में प्रोजेक्ट महादेवा के तहत फुटबॉल प्रतिभा खोज अभियान

पालघर(उत्तरशक्ति)। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के दूरदर्शी नेतृत्व में महाराष्ट्र सरकार ने राज्य के 13 वर्ष से कम आयु के प्रतिभाशाली बाल फुटबॉल खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए एक महत्वाकांक्षी पहल प्रोजेक्ट महादेवा शुरू की है। इस विशेष अभियान के माध्यम से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और आगे बढ़ने का सुनहरा अवसर मिलेगा।

इस चयन प्रक्रिया को तीन चरणों में आयोजित किया जायेगा। जिलास्तरीय चयन परीक्षण, क्षेत्रीय फेरी और अंतिम चयन फेरी। अंतिम चरण में 60 लड़कों का चयन सीआईडीसीओ ग्राउंड, खारघर (नवी मुंबई) में किया जायेगा, जबकि 60 लड़कियों का चयन डब्ल्यूआईएफए कूपरेज मैदान, मुंबई में होगा। इनमें से प्रत्येक वर्ग से 30-30 खिलाड़ियों का अंतिम चयन किया जायेगा। चयनित खिलाड़ियों को पांच वर्ष की एकीकृत छात्रवृत्ति प्रदान की जायेगी, जिसमें फुटबॉल प्रशिक्षण के साथ-साथ शैक्षणिक विकास भी शामिल रहेगा। इसके साथ ही चयनित बच्चों को 14 दिसंबर को मुंबई में आयोजित होने वाले विश्व प्रसिद्ध फुटबॉल खिलाड़ी लियोनेल मेस्सी के फुटबॉल क्लिनिक में भाग लेने का अनोखा अवसर भी प्राप्त होगा। यह परियोजना MITRA, राज्य क्रीड़ा विभाग, WIFA, CIDCO और VSTF के संयुक्त तत्वावधान में चलाई जा रही है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य राज्य में फुटबॉल खेल को अधिक संगठित, सशक्त और व्यावसायिक रूप से विकसित करना है।

छठ पर्व परिवार की सुख समृद्धि और संतानों की लंबी आयु की कामना का त्यौहार

मुंबई (उत्तरशक्ति)। छठ पर्व मूलतः सूर्य की आराधना का पर्व है, जिसे हिन्दू धर्म में विशेष स्थान प्राप्त है। प्रख्यात उद्योगपति तथा समाजसेवी ज्ञान प्रकाश सिंह के अनुसार हिन्दू धर्म के देवताओं में सूर्य ऐसे देवता हैं जिन्हें मूर्त रूप में देखा जा सकता है। सूर्य की शक्तियों का मुख्य श्रोत उनकी पत्नी ऊषा और प्रत्यूषा हैं। छठ में सूर्य के साथ-साथ दोनों शक्तियों की संयुक्त आराधना होती है। उत्तर भारतीय मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष उद्योगपति चित्रसेन सिंह के अनुसार सूर्य देव को सभी प्राणियों का जीवनदाता माना जाता है, इसलिए उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए छठ पूजा की जाती है। मीरा भायंदर के भाजपा नेता सुरेश सिंह के अनुसार छठ महापर्व श्रद्धा और उत्साह का अद्भुत संगम है। यह त्यौहार परिवार के लिए समर्पण की भावना का परिचायक है। भाजपा नगरसेवक मनोज रामनारायण दुबे के अनुसार छठी मैया की पूजा बच्चों के स्वास्थ्य, सुरक्षा और दीघार्यु के लिए किया जाता है। माना जाता है कि उनकी पूजा से संतान से जुड़ी हर मनोकामना पूर्ण होती है।

नागरिकों की सुविधा के लिए पूर्व नगरसेवक का बड़ा फैसला

पालघर शहर में बनेंगे 25 आधुनिक सार्वजनिक शौचालय

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिला मुख्यालय पालघर शहर में बढ़ती जनसंख्या के साथ बुनियादी सुविधाओं की कमी अब नागरिकों के लिए गंभीर समस्या बनती जा रही है। इसी पृष्ठभूमि में नागरिकों की सुविधा को प्राधान्य देते हुए पूर्व नगरसेवक प्रीतम राऊत ने एक बड़ा और सराहनीय कदम उठाया है। उन्होंने स्वखर्च से 25 सार्वजनिक स्वच्छतागृह (शौचालय) निर्माण करने और शहर के प्रवेशद्वारों का सौंदर्यीकरण करने का प्रस्ताव पालघर नगर परिषद के समक्ष प्रस्तुत किया है। राऊत ने अपने प्रस्ताव में कहा है कि मुंबई महानगर क्षेत्र से बड़ी संख्या में नागरिक पालघर की ओर बस रहे हैं, जिसके कारण शहर की आबादी तेजी से बढ़ रही है। लेकिन शहर में पर्याप्त सार्वजनिक शौचालय न होने से आम नागरिकों, यात्रियों और विशेषकर महिलाओं को काफी असुविधा झेलनी पड़ती है। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए उन्होंने पी.पी.पी.(Public Private Partnership) पद्धति से, यानी अपने निजी खर्चे पर, इन स्वच्छतागृहों के निर्माण की पेशकश की है। इसके लिए उन्होंने नगर परिषद से मांग की है कि निम्न प्रमुख मार्गों पर प्रत्येक 300 मीटर के अंतर पर 2.5ӿ2.5 मीटर जगह उपलब्ध कराई जाए। पालघर रेलवे स्टेशन से वलण नाका चौकी तक, पालघर रेलवे स्टेशन से छत्रपती शिवाजी महाराज चौक तक, हुतात्मा स्मारक से पालघर कोर्ट मार्ग तक, पालघर पूर्व गांधी नगर से नंडोरे नाका तक इसके अतिरिक्त राऊत ने पालघर से बोईसर, पालघर से मनोर, और पालघर से केलवे मार्गों पर शहर की सीमाओं पर ह्लपालघर शहर प्रवेशद्वारह्व निर्माण की भी अनुमति मांगी है, जिससे शहर का सौंदर्य और पहचान दोनों बढ़े। पूर्व नगरसेवक राऊत ने कहा कि पालघर जिला मुख्यालय होने के बावजूद यहां स्वच्छता और मूलभूत सुविधाओं की कमी है। नागरिकों को बेहतर सुविधा, स्वच्छ वातावरण और आकर्षक शहर संरचना मिले, यही हमारा उद्देश्य है। सामाजिक उत्तरदायित्व के नाते हमने यह उपक्रम हाथ लिया है। राऊत के इस उपक्रम का शहर के सामाजिक संघटनाओं और नागरिकों द्वारा स्वागत किया जा रहा है।

नागरिकों का मत है कि पालघर नगर परिषद को इस जनहितकारी प्रस्ताव को शीघ्र मंजूरी देकर कार्यवाही आरंभ करनी चाहिए।

दुखित परिवार को सहयोगार्थ राशि भेंट ही सच्ची श्रद्धांजलि: डॉ. शेषधर बिंद

मुंबई (उत्तरशक्ति)। चेंबूर, मुंबई के निवासी शिक्षक राम आसरे केवट के निधन पर बिंद समाज विकास संघ द्वारा आयोजित शोक सभा में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. शेषधर बिंद ने भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। डॉ. बिंद ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि, जब परिवार में किसी सदस्य का अचानक निधन हो जाता है, तो हम मृतक को कफन चढ़ाकर विदाई तो देते हैं, परंतु यह कफन अंततः दाह संस्कार के समय समाप्त हो जाता है। ऐसे में यदि हम मृतक के चरणों में कुछ सहयोग राशि अर्पित करें, तो वही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने कहा कि समाज के हर व्यक्ति को ऐसे दुखद अवसरों पर आर्थिक रूप से सहयोग करना चाहिए – चाहे वह रु10, रु.50, रु100, रु1000 या उससे अधिक हो। यह सहयोग न केवल अंतिम संस्कार के खर्चों में मददगार होता है बल्कि परिवार को तत्काल आर्थिक राहत भी प्रदान करता है। डॉ. बिंद ने आगे कहा कि, कमाने वाले सदस्य की मृत्यु के बाद परिवार आर्थिक कठिनाई में आ जाता है। ऐसे समय में सामूहिक सहयोग न केवल राहत देता है बल्कि बच्चों की शिक्षा और उनके भविष्य निर्माण में भी सहायक बन सकता है। सभा में सर्व समाज के सैकड़ों लोग उपस्थित रहे। अंत में बिंद समाज विकास संघ ने यह संकल्प लिया कि आगे से प्रत्येक सदस्य दुखित परिवारों की सहायता के लिए आगे आएगा और सहयोगार्थ रूपी श्रद्धांजलि को एक सामाजिक आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाया जाएगा।

तालाब और समुद्र तट पर छठ पूजा की अनुमति, महेश सरवणकर के प्रयासों से मिली मंजूरी

वसई (उत्तरशक्ति)। आगामी छठ पूजा के अवसर पर श्रद्धालुओं को वसई-विरार नगर निगम क्षेत्र के तालाबों, झीलों और समुद्र तटों पर पूजा-अर्चना करने की अनुमति दे दी गई है। यह अनुमति भारतीय जनता पार्टी वसई रोड मंडल अध्यक्ष महेश सरवणकर के नेतृत्व में किए गए प्रयासों के बाद मिली है। महेश सरवणकर ने नगर निगम आयुक्त से निवेदन किया था कि छठ पूजा के दौरान किसी प्रकार का मूर्ति विसर्जन या निर्मल विसर्जन नहीं होता, अतः इससे जल प्रदूषण का खतरा नहीं रहता।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि श्रद्धालु केवल सूर्यदेव को अर्ध्य अर्पित करते हैं और प्रसाद ग्रहण करते हैं, जिससे उच्च न्यायालय के निदेर्शों का कोई उल्लंघन नहीं होता। नगर निगम ने छठ पूजा के लिए कृत्रिम तालाब बनाने की योजना भी तैयार की थी, परंतु महेश सरवणकर ने आग्रह किया कि श्रद्धालुओं को प्राकृतिक जलस्रोतों जैसे तालाब, झील, नदियाँ और समुद्र तटों पर पूजा करने की अनुमति दी जाए। महेश सरवणकर के साथ भाजपा के मंडल महासचिव दीपक शर्मा और अर्जुन इंगोले ने मिलकर यह ज्ञापन मनपा अतिरिक्त आयुक्त दीपक सावंत को सौंपा। इस पहल में वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित और नालासोपारा के आमदार राजन नायक ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके प्रयासों से अंततः नगर आयुक्त ने अनुमति प्रदान कर दी। छठ पूजा 27 और 28 अक्टूबर को मनाई जाएगी, जिसमें श्रद्धालु सूर्योदय और सूर्यास्त के समय जल में खड़े होकर सूर्यदेव को अर्ध्य अर्पित करेंगे।

देवेंद्र फडणवीस की दिवाली भेंट से खुश हुई लाडली बहनें और कामगार: रंजू झा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा दी गई दिवाली भेंट ने राज्यभर में खुशी का माहौल बना दिया है। विशेष रूप से उनकी लाडली बहनों, सफाई कर्मियों और श्रमिक वर्ग ने इस पहल की सराहना की है। सामाजिक कार्यकर्ता रंजू झा ने फडणवीस जी का आभार व्यक्त करते हुए कहा ɍयह दिवाली भेंट उनकी जनता और लाडली बहनों के प्रति सच्चे स्नेह और संवेदनशीलता का प्रतीक है। देवेंद्र फडणवीस की जनसेवा की भावना और नेतृत्व क्षमता महाराष्ट्र के विकास की पहचान है। उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस हमेशा जनता के बीच रहकर उनके हित में कार्य करते हैं। इस पहल से समाज के हर वर्ग में एक सकारात्मक संदेश गया है कि सरकार अपने नागरिकों के साथ खड़ी है। दिवाली के इस शुभ अवसर पर रंजू झा ने सभी नागरिकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा ह्लदेवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में महाराष्ट्र निरंतर प्रगति के मार्ग पर अग्रसर रहेगा। हम सभी उनकी जनसेवा की भावना को सलाम करते हैं। अंत में, रंजू झा ने सभी लाडली बहनों, सफाई कामगारों और नागरिकों की ओर से फडणवीस जी को पुनः धन्यवाद दिया और सभी को दिवाली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के युवा नेता विपुल रविंद्र पाटील को मिल रहीं बधाईयां

पालघर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के लोकप्रिय नेता एवं पालघर जिला सरचिटणीस विपुल रविंद्र पाटील को उनके जन्मदिन के अवसर पर जिलेभर से शुभेच्छाओं का तांता लगा हुआ है। पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता एवं नागरिकों ने उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। इस अवसर पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने पाटील के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे सदैव कार्यकताओं के हितों की रक्षा और जनता की समस्याओं के समाधान के लिए तत्पर रहते हैं। पोस्टर में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ-साथ अनेक स्थानीय पदाधिकारी भी नजर आ रहे हैं, जिन्होंने विपुल पाटील को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। वरिष्ठ पत्रकार प्रवीण पाटील ने हमारे संवाददाता अजीत सिंह को बताया कि पालघर जिले में सामाजिक कार्य और संगठनात्मक मजबूती के लिए निरंतर सक्रिय रहने वाले विपुल पाटील को युवा वर्ग में एक ऊजार्वान और प्रेरणादायी नेता के रूप में जाना जाता है। जिले के विभिन्न भागों से कार्यकताओं ने भी सोशल मीडिया के माध्यम से विपुल पाटील जिंदाबाद और हैप्पी बर्थडे विपुलभाऊ जैसे संदेशों के साथ बधाई दी।

पालकमंत्री गणेश नाईक ने की खावडा प्रोजेक्ट के मुआवजा मॉडल की सराहना

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले में किसानों तथा पावर ट्रांसमिशन कंपनियों के बीच हुई एक अहम बैठक में जिले के पालकमंत्री गणेश नाईक ने खावडा पावर ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट के मुआवजा मॉडल की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यह मॉडल अन्य परियोजनाओं के लिए एक आदर्श उदाहरण है और प्रदेश की अन्य कंपनियों को भी इसी तरह का मॉडल अपनाकर किसानों को न्यायसंगत और पारदर्शी मुआवजा देना चाहिए। बैठक में जिलाधिकारी, एसडीओ, नोडल अधिकारी और संबंधित कंपनियों के प्रतिनिधि मौजूद थे। इस दौरान मंत्री नाईक ने स्पष्ट कहा कि खावडा परियोजना के लिए मैंने किसानों को सर्वाधिक दर दिलाई है। अगर इसे कोई अस्वीकार करता है, तो आगे का रास्ता सिर्फ न्यायालय में है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि पावर ग्रिड जैसी अन्य कंपनियों से भी दर वृद्धि के प्रयास जारी रहेंगे, ताकि किसानों को उचित हक मिल सके। अधिकारियों ने बताया कि सुधारित दरें नाईक के प्रयासों का परिणाम हैं, जिसमें सांसद डॉ. हेमंत सवरा, विधायक हरीशचंद्र भोये और शांताराम मोरे का भी महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

तुलसी घाट पर आज जीवंत होगी 500 साल पुरानी 'नाग नथैया' लीला

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। तुलसी घाट पर आज शाम 4 बजे से होने वाली 'कृष्णलीला की नाग नथैया' सिर्फ एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि पांच शताब्दियों से जीवित परंपरा का जीवंत प्रदर्शन है। इस क्षण में शिव की नगरी काशी कुछ पलों के लिए वृंदावन में तब्दील हो जाती है।

हर साल कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एक विशेष संध्या को तुलसी घाट का वातावरण भक्तिमय हो उठता है। जैसे ही कृष्ण स्वरूप अपनी टोली के साथ घाट की सीढ़ियां उतरते हैं, चारों ओर 'हर-हर महादेव' और 'जय श्रीकृष्ण' के जयघोष गूंज उठते हैं। घाट की ऊँची बुर्ज पर बैठा 'कंस' और संकटमोचन मंदिर के महंत इस दिव्य दृश्य के साक्षी बनते हैं।

तुलसीदास के समय से जारी है परंपरा: कहा जाता है कि इस अनोखी लीला की शुरूआत संत तुलसीदास के समय से हुई थी। तब से लेकर

काशी बनेगी वृंदावन

आज तक हर साल लाखों श्रद्धालु इस दृश्य के साक्षी बनते हैं। अस्सी घाट से चेतसिंह किले तक गंगा तट पर दर्शकों का सैलाब उमड़ पड़ता है। इस आयोजन को देखने के लिए देशी ही नहीं, विदेशी पर्यटक भी पहुंचते हैं।

लीला का रोमांचक दृश्य: लीला का चरम दृश्य तब आता है जब कृष्ण स्वरूप बालक कदंब वृक्ष से छलांग लगाकर कालिया नाग का संहार करने के लिए गंगा में उतरते हैं। इस दौरान गंगा, यमुना का रूप ले लेती है। 84 वर्षीय बैजनाथ मल्लाह और उनका गोताखोर दल बीते 75 वर्षों से इस लीला का अहम हिस्सा रहे हैं। वे सुरक्षा और पारंपरिक क्रियाओं का पूरा संचालन करते हैं।

जब कृष्ण नाग के फन पर नृत्य करते हुए बाहर आते हैं, तो पूरा घाट 'नाग नथैया वृंदावन लाल की जय!' के जयकारों से गूंज उठता है। यह क्षण भक्ति, श्रद्धा और एकता का अद्भुत प्रतीक बन जाता है। इस आयोजन में काशी के तीनों संप्रदाय-शैव, शाक्त और वैष्णव-एक साथ जुड़ते हैं, जो भारत की सांस्कृतिक एकता की अनोखी मिसाल पेश करता है।

छठ पूजा की तैयारियों को लेकर चेयरमैन पति प्रतिनिधि कृष्णा जायसवाल 'गोलू' ने किया स्थलीय निरीक्षण

केराकत नगर के घाटों की साफ-सफाई और पेंटिंग का कार्य हुआ शुरू

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर पंचायत केराकत की चेयरमैन ज्योति कृष्णा जायसवाल ने छठ पूजा को देखते हुए नगर पंचायत के सभी कर्मचारियों को सख्त हिदायत देते हुए कहा है कि समस्त घाटों पर साफ सफाई चूना छिड़काव एवं पेंटिंग का कार्य प्रारंभ किया जाये। किसी भी कीमत पर छठ पूजा में आये लोगों को किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं होनी चाहिये।

चेयरमैन के निर्देश होते ही कार्यालय के लिपिक अजय कुमार निषाद कम्प्यूटर आपरेटर अमित कुमार साहनी ने रामेश्वरघाट, बाबाघाट, और नावघाट के सभी घाटों की साफ-सफाई और पेंटिंग का कार्य प्रारंभ करवाया। चेयरमैन पति प्रतिनिधि कृष्णा जायसवाल ॠगोलूॠ ने समस्त घाटों का निरीक्षण भी किया गया। साथ में सभासद फिरोज खाँन भी मौजूद रहे। आपको बताते चलें कि चेयरमैन ज्योति कृष्णा जायसवाल

जीके शासन में इस तरह का कार्य सभी तीनों घाटों पर साफ सफाई एवं पेंटिंग का जो कार्य कराया जा रहा है वह एक मिशाल पेश कि है। इस बात की चर्चा नगर के लोगों द्वारा चक्की चौराहों और चाय पान की दुकानों में सूनने को मिल रहा है।

केराकत नगर वासियों द्वारा बड़े ही गर्व से यह भी कहा जा रहा है कि इस बार इतनी योग्य व शिक्षित चेयरमैन पाकर केराकत नगर पंचायत की रूप रेखा काफी निखरी है।

स्थलीय निरीक्षण के दौरान चेयरमैन पति प्रतिनिधि कृष्णा जायसवाल ॠगोलूॠ ने बताया कि आस्था के इस महापर्व छठ पूजा पर रामेश्वरघाट, बाबाघाट, नावघाट को भव्य रूप से सजाया जायेगा और नगर पंचायत के कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है और इन सभी लोगों से कहा गया है कि आप रोगों द्वारा छठ पूजा की समाप्ति तक लगातार देखरेख करते रहेंगें। चेयरमैन पति प्रतिनिधि कृष्णा जायसवाल 'गोलू' ने कहा कि छठी मैय्या और सूर्य देव से प्रार्थना है कि यह पर्व केराकत नगर वासियों के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लाए।

सरदार पटेल के योगदान और एक भारत-श्रेष्ठ भारत के उनके संकल्प को जन-जन तक पहुँचाये: एके शर्मा

भारत की एकता, अखंडता तथा राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक हैं सरदार पटेल: पुष्पराज सिंह

लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में तैयारियों के सम्बध में ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने ली बैठक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह के अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई सर्व प्रथम

कार्यक्रम का सुभारंभ पार्टी के पुरोधा पं दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया उसके बाद वंदेमातरम गीत गाया गया।

उपस्थित कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि एकता मार्च के सफल आयोजन के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाए विद्यालयों और महाविद्यालयों में सांस्कृतिक एवं जन जागरूकता कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किए जाए उन्होंने कहा इस अभियान में युवाओं, महिलाओं, स्थानीय निकायों, एनसीसी, स्वयं सहायता समूहों, जनप्रतिनिधियों एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों की सक्रिय भागीदारी भी सुनिश्चित की जाए सभी तय कार्यक्रमों की जानकारी राज्य स्तर पर साझा की जाए, ताकि अभियान का संदेश अधिक से अधिक लोगों तक पहुंच सके। इस अभियान का उद्देश्य राष्ट्रीय एकता का संदेश घर-घर तक पहुँचाना है। उन्होंने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल के योगदान और एक भारत, श्रेष्ठ भारत के उनके संकल्प को जन-जन तक पहुँचाने के लिए इस कार्यक्रम को भव्य एवं प्रेरणादायक रूप में आयोजित किया जाए।

उन्होंने आगे कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती को ऐतिहासिक रूप से मनाना है ताकि देश की नई पीढ़ी उनके योगदान और विचारों से प्रेरणा ले सके सरदार पटेल ने अपने अदम्य साहस, दृढ़ इच्छाशक्ति और कौशल से भारत को एक सशक्त राष्ट्र बनाया सरदार पटेल ने देश की विभिन्न रियासतों को जोड़कर एक भारत की नींव रखी उनके प्रयासों से ही भारत एक अखंड और एकीकृत राष्ट्र के रूप में स्थापित हो सका है मुख्यमंत्री ने कहा सरदार पटेल की कूटनीति और दूरदर्शिता का स्वतंत्र भारत के इतिहास में बड़ा योगदान रहा है।

जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सरदार पटेल के सपनों को आगे बढ़ाया है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में एक भारत श्रेष्ठ भारत के विजन के साथ भारत को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने सरदार पटेल के सम्मान में गुजरात के नर्मदा जिले के केवडिया में ह्यस्टैच्यू ऑफ यूनिटीह्न का निर्माण कराया गया जो विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा है और भारत की एकता, अखंडता तथा राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है। सरदार पटेल के विचार आज भी देश को एकता, समरसता और सशक्त भारत के निर्माण की दिशा में प्रेरित करते हैं।

होली चाइल्ड एकेडमी की छात्रा बनी एक दिन के लिए शहर कोतवाली की प्रभारी निरीक्षक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मिशन शक्ति फेज 5.0 अभियान के अन्तर्गत बालिका बनी एक दिन के लिए थाना प्रभारी आज दिनांक-25.10.2025 को क्षेत्राधिकारी नगर, गोल्डी गुप्ता के निकट पर्यवेक्षण थाना कोतवाली जनपद जौनपुर में मिशन शक्ति फेज 5.0 अभियान के अन्तर्गत महिलाओं की सुरक्षा एंव स्वाबीलंबन बनाये जाने हेतु, उनके विरुद्ध हो रहे अपराधों को नियत्रंण रखने के लिए ह्होली चाइल्ड एकेडमी सिनियर सेकेण्डरी स्कूलह्न की कक्षा 12 की बालिका बनी एक दिन के लिए शहर कोतवाली का प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली बनाया गया जिसमें उनके द्वारा महिला सम्बन्धित तीन प्रकरणो को सुना गया और उनके प्रकरणो को निस्तारित किया गया और महिला अपराधों पर रोकथाम हेतु आवश्यक कार्वयाही के लिए दिशा निर्देश दिया गया एवं महिला सशक्तिकरण को बढावा देने के लिए महिलाओ को आगे आने के लिए प्रत्येक फील्ड में आगे बढने के लिए प्रोत्साहित किया गया तथा महिला की सुरक्षा हेतु महिला सम्बन्धित हेल्पलाइन नम्बरो के बारे में जानकारी दी गयी। बालिका का नाम पाण्डेय पुत्री शिवाकान्त पाण्डेय होली चाइल्ड एकेडमी सिनियर सेकेण्डरी स्कूल, कक्षा 12 ए। उक्त प्रोग्राम में भाग लेने वाले अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे। विश्वनाथ प्रताप सिहं प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली, म0उ0नि0 पुष्पा महिला चौकी, हे0का0 शिव प्रकाश थाना, म0का राशि मिश्रा, म0का0 प्रतिभा द्विवेदी, म0का0 रंजना यादव, का0 तेजभवन यादव थाना कोवातली जनपद जौनपुर।

जौनपुर में बिजली खपत की होगी निगरानी

मुंगराबादशाहपुर में ट्रांसफार्मरों पर लग रहे हैं स्मार्ट मीटर

ट्रांसफार्मरों से लिया जाएगा बिजली खर्च का हिसाब

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विद्युत उपभोक्ताओं को दिए जाने वाले बिजली खर्च का हिसाब अब ट्रांसफार्मर से लिया जाएगा कि शहर से लेकर देहात तक ट्रांसफार्मर से निकली बिजली कितने उपभोक्ताओं को दी जा रही है। इसको लेकर ट्रांसफार्मरों पर स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। ट्रांसफार्मर से प्रत्येक खंभे से दिए कनेक्शन और उस पर उपभोक्ताओं को दिए गए लोड को जोड़ा जाएगा। विद्युत विभाग प्रत्येक ट्रांसफार्मर से दी जा रही बिजली के लोड का पता लगाने के लिए अब ट्रांसफार्मर पर स्मार्ट मीटर लगा रहा है। जिससे यह जाता चलेगा कि उस ट्रांसफार्मर से कितनी बिजली की खपत की जा रही है और कितना विभाग को वहां से राजस्व प्राप्त हो रहा है। ट्रांसफार्मर से दी जाने वाली बिजली में उपभोक्ताओं के यहां अधिक खर्च पाए जाने पर विभाग के द्वारा जांच की जाएगी। बिजली चोरी रोकने के लिए विद्युत विभाग द्वारा 33/11केवी उपकेंद्र मुंगराबादशाहपुर के पोषित फीडरों पर स्मार्ट लगाए जाने हैं, जिसमें से कई ट्रांसफार्मरों पर स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं।

जौनपुर जिले के मुंगराबादशाहपुर में 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र के पोषित टाउन फीडर में बिजली चोरी पर अंकुश लगाने और खपत की निगरानी के उद्देश्य ट्रांसफार्मरों पर स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य शुरू हो गया है, आज से कई स्थानों पर ट्रांसफार्मरों पर स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य प्रारंभ भी कर दिया गया है। जिसमें स्टेशन रोड 250/400 केवीए और थाने के पास लगे 400 केवीए ट्रांसफार्मर स्मार्ट लगाए गए हैं। विभाग का लक्ष्य है कि एक पखवारे के भीतर सभी ट्रांसफार्मरों को स्मार्ट मीटर से लैस कर दिया जाए। अब तक ट्रांसफार्मरों से आपूर्ति होने वाली बिजली और उपभोक्ताओं की बिलिंग यूनिट के बीच अंतर को लेकर विभाग ने यह निर्णय लिया है। निर्बाध बिजली आपूर्ति के बावजूद बिजली लॉस में कमी नहीं आ रही थी।

लेकिन, स्मार्ट मीटर लगने के बाद यह स्पष्ट हो सकेगा कि ट्रांसफार्मर से कितनी बिजली आपूर्ति हुई और उससे जुड़े उपभोक्ताओं के बिल कितनी यूनिट खपत पर बने। इससे ट्रांसफार्मर से बर्बाद या चोरी हुई बिजली का आकलन करने में सहूलियत मिलेगी। बिजली यूनिटों में अंतर मिलते ही होगी छापेमारी ट्रांसफार्मरों से बिजली की आपूर्ति और उपभोक्ताओं को हुई वास्तविक आपूर्ति के बीच यदि कोई बड़ा अंतर सामने आता है, तो विभाग के अधिकारी उस क्षेत्र में तत्काल छापेमारी करेंगे। छापेमारी के दौरान ट्रांसफार्मर से जुड़े एक-एक उपभोक्ता के परिसर में जाकर बिजली खपत की गहन जांच की जाएगी। यदि किसी उपभोक्ता द्वारा बिजली चोरी करते हुए पाया जाता है, तो उस पर जुमार्ना लगाया जाएगा । स्थानीय थाने में प्राथमिकी भी दर्ज कराई जाएगी। ऑनलाइन होगी आपूर्ति की निगरानी स्मार्ट मीटर से लैस ट्रांसफार्मरों के जरिए अब बिजली आपूर्ति की निगरानी ऑनलाइन माध्यम से की जा सकेगी। ट्रांसफार्मर से आपूर्ति हो रही बिजली, उसकी वोल्टेज, फ्रीक्वेंसी और लोड की जानकारी भी विभागीय अधिकारी अपने सिस्टम से रियल टाइम में प्राप्त कर सकेंगे। इससे यह भी पता चलेगा कि कोई ट्रांसफार्मर ओवरलोड में चल रहा है या सामान्य स्थिति में। यह तकनीक उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण और स्थिर बिजली आपूर्ति करने में भी मददगार होगी।

विद्युत वितरण उपखंड मुंगराबादशाहपुर के उपखंड अधिकारी आलोक उपाध्याय व 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र मुंगराबादशाहपुर के अवर अभियंता प्रमोद कुमार यादव ने बताया कि उपकेंद्र से पोषित टाउन फीडर के क्षेत्रों में बिजली खपत की निगरानी और बिजली लॉस को कम करने के उद्देश्य से सभी ट्रांसफार्मरों पर स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य प्रारंभ किया गया है। आने वाले नवंबर महीना के पहले सप्ताह तक सभी ट्रांसफार्मरों को स्मार्ट मीटर से लैस कर दिया जाएगा। इससे पहले ग्रामीण फीडर के ट्रांसफार्मरों पर स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे थे और लग रहे हैं ' इसके माध्यम से बिजली चोरी पर प्रभावी नियंत्रण के साथ-साथ ट्रांसफार्मर से होने वाली बिजली आपूर्ति की समस्त जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध हो सकेगी।

सोनभद्र में श्रद्धालुओं से भरी अनियंत्रित पिकअप पलटी, 16 घायल

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। जुगैल थाना क्षेत्र के पहाड़ी मार्ग पर शुक्रवार की देर रात श्रद्धालुओं से भरी एक पिकअप अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में तीन बच्चों समेत 16 लोग घायल हो गए। सभी घायल जमुअल गांव के निवासी हैं, जो प्रसिद्ध जिरही माता मंदिर से दर्शन कर वापस घर लौट रहे थे। चोपन सीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद 13 घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पिकअप वाहन में 20 से अधिक सवारियां बैठी थीं। पहाड़ी मोड़ पर चालक का वाहन से नियंत्रण हटते ही वाहन सड़क किनारे पलटकर खाई में चला गया। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल राहत कार्य शुरू करते हुए एंबुलेंस और निजी वाहनों की मदद से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चोपन भेजवाया। सीएचसी चोपन में डॉक्टरों ने घायलों का प्राथमिक उपचार कर 13 लोगों को बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। डॉक्टरों ने बताया कि घायलों में किसी की हालत नाजुक नहीं है। अधिकतर को सिर और सीने में चोट आई है। सूचना मिलते ही सीओ ओबरा हर्ष पांडेय ने चोपन सीएचसी पहुंचकर घायलों से घटना की जानकारी ली। सीओ ने बताया कि सभी घायल खतरे से बाहर हैं। घटना के कारणों की जांच की जा रही है। इसके अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ऑनलाइन व्यापार के नाम पर एक लाख की ठगी, पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक से लगाई गुहार

दिनेश कुमार विश्वकर्मा

नेवढ़िया, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना नेवढ़िया क्षेत्र के ग्राम परेवा (भाऊपुर) निवासी अब्दुल रहमान पुत्र हाजी सफीक अहमद अंसारी ने मिथलेश कुमार मौर्य पर रु0 1 लाख की धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। पीड़ित के अनुसार, आरोपी ने 22 अक्टूबर 2023 को ऑनलाइन व्यापार के लिए उधार ली गई राशि वापस नहीं की। कुछ महीनों तक मामूली रकम लौटाने के बाद आरोपी 23 जून 2024 से फरार है। पीड़ित ने मामले की शिकायत IGRS पोर्टल, जिला पुलिस और राष्ट्रपति भवन सचिवालय तक की है। उन्होंने पुलिस अधीक्षक जौनपुर से आरोपी के विरुद्ध धोखाधड़ी व अमानत में खयानत की धाराओं में कार्रवाई की मांग की है।

सड़क दुर्घटना में एक की मौत दूसरा घायल

सुजानगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के बखोपुर ग्राम सभा में बीती रात हूई सड़क दुर्घटना में संतोष गिरी पुत्र स्व. नन्हकू गिरी 40 वर्ष निवासी चेती की मौत हो गई। जानकारी अनुसार मृतक संतोष किसी काम से अपने ग्राम सभा चेती से हरिपुर बाजार की तरफ आया था, बीती रात मृतक अपने दोपहिया वाहन से जब वापस घर की तरफ जा रहा था, तभी बखोपुर ग्राम सभा के पास एक दुग्ध वाहन की चपेट में आ गया, जिससे संतोष की मौके पर ही मौत हो गई। वही इस घटना में मृतक के साथ एक और व्यक्ति भोलू पुत्र सकारी निवासी रामनगर 30 वर्ष को भी मामूली चोटें आई हैं, जिनको सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुजानगंज पर इलाज के बाद छोड़ दिया गया। मृतक के तीन पुत्र व दो पुत्री है। इस संदर्भ में पूछे जाने पर थाना अध्यक्ष सुजानगंज फूलचंद पांडेय ने बताया की सड़क दुर्घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तो देखा कि अधेड़ की मौत हो चुकी थी। पुलिस शव को अपने कब्जे में लेते हुए पंचनामा कर अंत्य परीक्षण कराने के लिए जिला अस्पताल भेज दी।

गौ तस्करी करने से रोका तो सगे बाप ने बेटी को कुल्हाड़ी से मार कर किया घायल

पीड़िता पहुँची पुलिस चौकी तो दरोगा ने डांट कर भगाया

थाना दिवस पर पहुंच कर दो बहनों ने लगाई गुहार

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिससे इंसान सुरक्षा की उम्मीद करता है और वह उल्टा ही दुश्मन बन जाये तो स्थिति बहुत विकट हो जाती है। शनिवार को स्थानीय कोतवाली परिसर में आयोजित सम्पूर्ण थाना समाधान दिवस पर पहुंची दो सगी बहनों ने अपने सगे बाप पर जान से मारने का आरोप लगाते हुए न्याय की गुहार लगाई। क्षेत्र निजामपुर निवासी रागनी बिंद अपनी बड़ी बहन के साथ कोतवाली पहुंच कर लिखित तहरीर देते हुए अपने सगे बाप पर आरोप लगाया की उसका बाप सतीराज पुत्र देव नरायन निवासी निजामपुर जो एक अपराधी प्रवृत्ति का है गौ तस्करी और बछड़ों को पकड़ कर अपने साथियों संग मिलकर कसाई को बेच देता है। मना करने पर बुरी तरह मारा पीटा और कुल्हाड़ी से हमला कर दिया।जिससे रागनी के चेहरे पर गहरी चोटे आई और टांका लगाना पड़ा।पीड़िता रागनी का आरोप है की इसकी शिकायत जब निजामपुर पुलिस चौकी इंचार्ज राम विचार से की गई तो उन्होंने हमारा फोटो खींचा और गाली देकर भगा दिया।प्रार्थना पत्र में यह भी आरोप लगाया की पिता सतीराज मुझे और मेरी माँ बहन और भाभी को मारपीट कर घर से भी निकाल दिया।जिससे हम सभी लोग बगल के गॉव बद्दोपुर में रहते है।मगर यहाँ भी सतिराज आकर दरवाजा तोड़ने का प्रयास करता है जिससे पूरा परिवार भयभीत है। पीड़िता ने अपने बाप के खिलाफ पुलिस से कठोर कार्यवाई की मांग की है।

जनता की फरियाद पर प्रशासन बेखबर, सीओ के फोन के बाद ही जागे अधिकारी

निराश हुए फरियादी, छह प्रार्थना पत्र पड़े एक का भी निस्तारण नही

विशाल सोनी, शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। आम जनता अपनी समस्या को लेकर जब किसी अधिकारी के पास जाता है तो उसके आंखों में न्याय और इंसाफ की उम्मीद होती है।मगर जब नियम कानून को ताक पर रख कर फरियादियों की फरियाद सुनने वाला कोई न हो।तो फरियाद की उम्मीद टूट जाती है। कुछ इसी प्रकार का मामला कोतवाली शाहगंज के थाना समाधान दिवस पर दो शनिवार से देखा जा रहा है। शनिवार को पूरे जनपद में जहां प्रशासन हर थाने में लोगों की समस्याएं सुन रहे थे तो वहीं शाहगंज थाना समाधान दिवस पर दोपहर 11-35 तक कोई अधिकारी मौजूद नही था।जिससे बहुत से फरियादी मायूस होकर लौट गए।जब इस सम्बंध में सीओ अजीत सिंह चौहान से बात की गई ।तब जाकर पुलिस भी हरकत में आई।11-39 पर तहसीलदार आशीष सिंह,11-52 पर प्रभारी निरीक्षक के के सिंह आये ।और फिर लोगों की समस्याओं को सुना।जिसमे कुल 6 प्रार्थना पत्र पड़े और निस्तारण एक का भी नही हो सका। लोगों में चर्चा बनी रही की अब थाना दिवस महज खानापूर्ति बनकर रह गयी है।

करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद वाराणसी-शक्तिनगर मार्ग पर हादसों का सिलसिला थमने का नहीं ले रहा नाम

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद वाराणसी-शक्तिनगर मार्ग पर हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। सुप्रीम कोर्ट तक इस सड़क को ॠकिलर रोडॠ का दर्जा दे चुकी है, लेकिन हालात आज भी जस के तस बने हुए हैं। आए दिन इस मार्ग पर वाहन दुर्घटनाओं की खबरें सामने आती हैं, जिससे न सिर्फ स्थानीय लोग बल्कि यात्री भी भयभीत रहते हैं। शनिवार को एक बार फिर इस मौत के रास्ते ने लोगों को दहला दिया। जानकारी के अनुसार हिन्दुआरी मोड़ से पहले स्थित बिच्छी पेट्रोल पंप के पास एक तेज रफ्तार वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया, जिसमें सवार कई लोग घायल हो गए। स्थानीय ग्रामीणों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घायलों को बाहर निकाला और 108 एंबुलेंस की मदद से नजदीकी अस्पताल भिजवाया। बताया जा रहा है कि वाहन वाराणसी की ओर जा रहा था और सड़क पर बने गड्ढों और असंतुलित डिवाइडर की वजह से

चालक ने नियंत्रण खो दिया। गौरतलब है कि इस मार्ग पर अब तक सैकड़ों लोगों की जानें जा चुकी हैं। आए दिन किसी न किसी मोड़, पुलिया या ढलान पर हादसे होना आम बात हो गई है। सड़क पर जगह-जगह बने असमतल पैच, टूटे किनारे, लापरवाह ड्राइविंग और ओवरलोड वाहनों की वजह से यह हाईवे एक 'मौत का गलियारा' बन चुका है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वर्षों से इस सड़क की मरम्मत और चौड़ीकरण पर अरबों रुपये खर्च किए जा चुके हैं, लेकिन गुणवत्ता के नाम पर सब कुछ कागजी साबित हो रहा है। सड़क सुरक्षा के नाम पर न तो पर्याप्त साइन बोर्ड लगे हैं, न ही रात्रि में रिफ्लेक्टर या स्ट्रीट लाइट्स काम कर रही हैं। जनता की मांग है कि शासन और एनएचएआई (राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण) जल्द से जल्द इस मार्ग पर तकनीकी सुधार, उचित सिग्नलिंग और पुलिस गश्त बढ़ाने के ठोस कदम उठाए, ताकि किलर रोड की यह काली पहचान आखिरकार मिट सके।

कॉमेडियन हर्ष निषाद को पूर्वांचल युवा महोत्सव में किया गया सम्मानित

◆ बतौर मिमिक्री आर्टिस्ट बना रहे हैं अपनी पहचान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में प्रतिभाओं की कमी नहीं है, अभिनय की दुनिया में भोजपुरी के अमिताभ बच्चन कहे जाने वाले जौनपुर की माटी के लाल रवि किशन ने हर भाषा में फिल्में करके पूरी दुनिया को दिखा दिया कि जौनपुर की मिट्टी में वह बात है जो यहां के लोगों को अलग पहचान देता है। आज भी जौनपुर में कई ऐसे प्रतिभावान है जो संघर्ष कर रहे हैं। उन्हीं में से एक नाम है कॉमेडियन हर्ष निषाद का। जौनपुर शहर के सरस्वती उ.मा.विद्यालय के पास शास्त्री नगर मोहल्ले में रहने वाले हर्ष निषाद एक अच्छे कॉमेडियन है। पीएम नरेंद्र मोदी, एक्टर सुनील शेट्ठी, हृतिक रोशन समेत कई दिग्गज अभिनेताओं की आवाज निकालकर लोगों का मनोरंजन करने वाले हर्ष निषाद अपनी इस प्रतिभा के दम पर कॉमेडी की दुनिया में संघर्ष कर रहे हैं। शनिवार को पूर्वांचल युवा महोत्सव में उन्हें बतौर मिमिक्री आर्टिस्ट के तौर पर सम्मानित भी किया गया।

हर्ष बताते हैं कि वह बचपन से ही एक अच्छा कॉमेडियन बनना चाहते हैं इसके लिए वह कई अभिनेताओं, नेताओं की आवाज हुबहू निकालने का प्रयास करते हैं। मंच पर जब अपनी कला का प्रदर्शन करते हैं तो मंच के सम्मुख बैठे लोग कार्यक्रम शुरू होने से पहले भले ही इधर उधर देख रहे हो लेकिन जब मंच पर हर्ष पहुंचते हैं और अभिनेता की आवाज में लोगों का अभिवादन करते हैं तो लोग देखते ही दंग रह जाते हैं और जोरदार ताली बजाकर जौनपुर की मिट्टी में जन्में इस लाल का हौसला अफजाई करते हैं।

जौनपुर में आटो की टक्कर में बाइक सवार युवक की मौत

खुटहन,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गभिरन बाजार में शुक्रवार की शाम आटो की टक्कर में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम हेतु भेज दिया। गभिरन? गांव निवासी 34 वर्षीय दिनेश पाल पुत्र राम आसरे बाइक से खुटहन बाजार से वापस घर जा रहे थे। उक्त गभिरन बाजार के पास सामने से आ रहे आटो रिक्शा से टक्कर हो गई। जिसमें दिनेश पाल गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंचे उनके बड़े भाई सुरेश पाल सरकारी एंबुलेंस न मिलने पर एक आटो रिक्शा से सीएससी ले आये। जहां देखते ही चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक के बड़े भाई का आरोप है कि यदि समय से एंबूलेंस मिल गई होती तो भाई की जान बच सकती थी।

डॉक्टर का पेशा सेवा भाव है, हमें भगवान न बनाइये हम भी इंसान: डॉ.रावत

आईएमए अध्यक्ष बोले: डॉक्टरी पेशा सेवा भाव का, शिकायत हो तो कानून का सहारा लें

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। हम इंसान हैं और हमे इंसान ही रहने दीजिए भगवान न बनाइये।भगवान की बराबरी या उनका दर्जा हम इंसानों के लिए नही है। उक्त बातें शनिवार की दोपहर नगर के नजीराबाद स्थित अपने आवास पर आईएमए शाहगंज इकाई के अध्यक्ष सर्जन डॉक्टर अभिषेक रावत ने कही। उन्होंने कहा एक सवाल के जवाब में कहा की डॉक्टरी पेशा सेवा भाव का पेशा है।और डॉक्टर पूरी तन्मयता से अपना काम करता है।नगर के एक अस्पताल के डॉक्टर के ऊपर गलत इंजेक्शन और लापरवाही के आरोप पर श्री रावत ने कहा की गलत इंजेक्शन लगा है ये कोई कैसे कह सकता है।ये तो डॉक्टरों का पैनल जांच पड़ताल के निष्कर्ष निकालेगी।अस्पतालों में अप्रशिक्षित स्टाफ और उनके द्वारा मरीजों और तीमारदारों से दुर्व्यहार के सवाल पर डॉक्टर अभिषेक रावत बोले की ऐसा नही है नगर के हर डॉक्टर के अस्पताल का सीएमओ के यहां रजिस्ट्रेशन है।और साथ ही उस अस्पताल के स्टाफ का पूरा ब्योरा होता है जिसमे एएनएम, जीएएम, फार्मासिस्ट आदि का नाम रजिस्टर्ड रहता है।हालांकि कुछ डॉक्टरों द्वारा मरीजों या तीमारदारों से अधिक पैसा और बिना जरूरत की जांच के सवाल को टाल गए।और मेडिकल लाइन में कमीशन खोरी के सवाल पर कहा ऐसा कुछ नही है सिर्फ भ्रंतियाँ बनाई गई है।अस्पतालों में होनी वाली घटनाओं पर चिंता जताते हुए कहा की डॉक्टरों को भयमुक्त वातावरण चाहिए जिसमें वह मरीजों का उपचार बेहतर ढंग से कर सके अगर किसी को कोई शिकायत है तो वह कानून का सहारा ले हम जवाब देने और जांच में सहयोग के लिए हमेशा तैयार हैं।

राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबिता चौहान ने जिला महिला चिकित्सालय का किया निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला महिला चिकित्सालय में निरीक्षण के दौरान राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता चौहान ने जिला महिला चिकित्सालय में उपचार कराने आए मरीजों से हाल-चाल पूछा और व्यवस्थाओं का जायजा लिया. बबीता चौहान ने लगभग एक घंटे तक जिला महिला चिकित्सालय में निरीक्षण किया। महिला आयोग की अध्यक्ष ने महिलाओं की समस्या सुनी और संबंधित अधिकारियों को उनके निराकरण का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान बबीता सिंह को जिला महिला अस्पताल मे सुरक्षा, साफ सफाई और चिकित्सा सेवाओं में खामियां मिली। जिला महिला अस्पताल मे लिफ्ट खराब होने पर बबीता चौहान ने नाराजगी जाहिर की। इसके साथ ही बबीता चौहान ने कहा कि सरकार की ओर से कितना पैसा आता है, इस तरह से मरीजों को तीमारदारों को सुविधाएं देनी चाहिए। महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान ने जिला महिला अस्पताल में शौचालय में साफ-सफाई की व्यवस्था पर भी खासी नाराजगी व्यक्त की. वह बार-बार यही कहती रहीं कि यहां बहुत गंदगी है।

महाराजगंज प्रखंड क्षेत्र में छठ घाटों पर सफाई जोरों पर

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज प्रखंड क्षेत्र में छठ घाटों पर साफ सफाई जोरों पर है। महाराजगंज नगर पंचायत क्षेत्र में छठ पूजा की तैयारी जोरों पर है। छठ को लेकर घाटों में सफाई तेजी से चल रही है। कलेक्टरी पोखरा, सीहौता रामेश्वर धाम मंदिर छठ घाट ,कॉपियां शिव मन्दिर घाट, बल जी के मंदिर नजदीक छठ घाट, राम जानकी मंदिर छठ घाट आदि शामिल है। ग्रामीण क्षेत्र के धोबलिया शिव मंदिर का छठ घाट, महुआरी शिव मंदिर छठ घाट, देवरिया गंडकी नदी के किनारे की छठ घाट, पटेरा छठ घाट, खेदू छपरा छठ घाट हांहवा गांव का छठ घाट, रिशौरा गांव का छठ घाट, पोखरा गांव का छठ घाट, कासदेउरा गांव का छठ घाट, टेघडा गांव का छठ घाट आदि सभी घाटों की सफाई ग्रामीणों के सहयोग से किया जा रहा है। शनिवार की संध्या तक प्रखंड क्षेत्र सभा की दोपहर तक सभी नदी घाटों में 80 प्रतिशत से अधिक छठ घाटों की सफाई कर ली गई है। छठ व्रतियों और उनके परिजनों को किसी प्रकार की परेशानी ना हो, इसका पूरा ख्याल प्रशासन रख रहा है।

वाराणसी में छिनैती के दो अभियुक्त गिरफ्तार, मंगलसूत्र और नकदी बरामद

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में पुलिस ने छिनैती के मामले में दो अभियुक्तों, राकेश सेठ (42 वर्ष, पुत्र स्व. जयराम सेठ, निवासी रत्न-3/23, डीआर शारदा बिहार कॉलोनी, मीरापुर बसही, थाना शिवपुर) और राजा सोनकर (25 वर्ष, पुत्र भोला सोनकर, निवासी र-25/99-इ, सोनकर बस्ती, भोजूबीर, थाना कैंट) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से एक लॉकेट, एक मंगलसूत्र और 3400 रुपये नकद बरामद किए। जांच में पता चला कि राजा सोनकर ने परमानंदपुर और होलापुर में छिनैती की वारदातों को अंजाम दिया था और चुराया हुआ सामान राकेश सेठ की दुकान पर बेचता था। पुलिस ने दोनों के खिलाफ कठोर कार्रवाई शुरू कर दी है।

पीएनबी की सहज डू-इट-योरसेल्फ प्रक्रिया के जरिए ऑनलाइन पीपीएफ खाता खोलने की पेशकश

मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र में भारत के अग्रणी बैंकों में से एक पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) अपने पीएनबी-वन मोबाइल बैंकिंग ऐप, इंटरनेट बैंकिंग और पीएनबी वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन डिजिटल सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ) खाता खोलने की सुविधा प्रदान कर रहा है। यह पहल पीएनबी के मौजूदा ग्राहकों और बैंक के नए ग्राहकों दोनों को एक सहज डू-इट-योरसेल्फ (डीआईवाई) प्रक्रिया के माध्यम से पूरी तरह से ऑनलाइन पीपीएफ खाते खोलने में सक्षम बनाती है। नया डिजिटल पीपीएफ प्लेटफॉर्म हर भारतीय के लिए लंबी अवधि के निवेश उत्पादों को सुलभ बनाने की पीएनबी की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। यह सुविधा पीएनबी वन मोबाइल एप्लिकेशन, इंटरनेट बैंकिंग सेवाओं (आईबीएस) और पीएनबी की कॉर्पोरेट वेबसाइट सहित कई डिजिटल माध्यमों पर उपलब्ध है। यह सुविधा पीपीएफ खाता खोलने के लिए शाखा जाने और कागजी कार्रवाई की पारंपरिक बाधाओं को खत्म करती है।

डीएस ग्रुप ने इंटरेक्टिव पल्स कैंडी गेम के साथ छठ पूजा में भरा नया रंग

रांची (उत्तरशक्ति)। अग्रणी एफएमसीजी कंग्लोमरेट धर्मपाल सत्यपाल ग्रुप (डीएस ग्रुप) के लोकप्रिय ब्रांड्स में से एक, पल्स कैंडी ने अपने छठ गेमिफाइड कैंपेन, द पल्स ऑफ फेस्टिव रन : छठ एडिशन के लॉन्च का ऐलान किया है। यह अनूठी पहल खास तौर पर छठ पूजा के आध्यात्मिक भाव को एक गहन , त्रि-आयामी गेमिंग अनुभव में बदलने के लिए की गई है। इस अभियान ने युवाओं को इस महत्वपूर्ण त्योहार की गहरी और प्यारी परंपराओं के साथ जोड़ा है। जेन जेड और डिजिटल-फर्स्ट युवाओं के लिए डिजाइन किए गए, इस अभियान ने खेल, रचनात्मकता और सांस्कृतिक गौरव के माध्यम से छठ की भावना को जीवंत किया है। यह अभियान 24 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक लाइव रहने वाला है। डीएस ग्रुप में मार्केटिंग के वरिष्ठ महाप्रबंधक (कन्फेक्शनरी), अरविंद कुमार ने कहा कि भारतीय त्योहार सामूहिक आनंद, आस्था और पहचान के क्षण हैं जो लोगों को एकजुट करते हैं। डीएस ग्रुप पल्स ऑफ इंडिया अभियान के माध्यम से इस भावना के प्रति गहराई से प्रतिबद्ध है। पल्स कैंडी हमेशा स्वयं को उन रीति-रिवाजों और उत्सवों के साथ जोड़ती है जो पूरे भारत के लोगों के लिए सबसे अधिक मायने रखते हैं। यह नजरिया वहां विकसित होता रहेगा जहाँ पल्स ऑफ इंडिया फेस्टिवल्स ऑफ इंडिया का पर्याय बन जाएगा। यह इन उत्सवों की परंपराओं और भावनाओं दोनों के साथ गहराई से जुड़ता है।

कुर्मी महासभा के पुरोहित प्रशिक्षण कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ

वाडा। भारतीय संस्कृति और परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुँचाने के उद्देश्य से अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा द्वारा आयोजित पुरोहित प्रशिक्षण कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ वाडा स्थित तानसा ग्लोबल हाईस्कूल में हुआ। कार्यक्रम का संचालन अनुभवी पुरोहित प्रशिक्षक डॉ. रज्जन कुमार पटेल के मार्गदर्शन में किया गया। विद्यालय प्रांगण वैदिक मंत्रों की गूंज और श्रद्धा से भरे वातावरण से अनुप्राणित था। कार्यक्रम का उद्घाटन छत्रपति शिवाजी महाराज, सरदार वल्लभभाई पटेल और संत तुकाराम महाराज की प्रतिमाओं पर पुष्पमाल्य अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर प्रमुख अतिथि के रूप में निवृत्त डिप्टी कलेक्टर बी. बी. ठाकरे, वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. बाबूलाल सिंह पटेल, प्रदेश अध्यक्ष संजय पाटिल, महासचिव जयेश शेलार पाटिल, एवं कोंकण विभागीय अध्यक्ष तुकाराम पष्टे उपस्थित रहे। साथ ही क्षेत्र के प्रतिष्ठित समाजसेवी किसन बोंद्रे, सुबोध कुमार, मंगेश चौधरी, डॉ. राममूर्ति वर्मा, वी. के. वर्मा, एडवोकेट गोपाल शेलके, भानुदास महाराज भोईर, गणपती कंदस्वामी देवेंद्र, भिवंडी कुणबी समाज अध्यक्ष संजय भेरे, संजय भगत, नरेश आखरे, समीर पाटील, सुभाष पाटील, और रोहिदास पाटील की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। मुख्य प्रशिक्षक डॉ. रज्जन कुमार पटेल ने बताया कि इस पुरोहित प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य युवा पीढ़ी को संस्कार, धर्मज्ञान, समाज सेवा और जिम्मेदारी की भावना से जोड़ना है। उन्होंने कहा ह्लभारतीय संस्कृति केवल परंपरा नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक वैज्ञानिक और मानवीय पद्धति है। जब युवा इस ज्ञान से जुड़ेंगे, तभी समाज में समरसता और नैतिकता सुदृढ़ होगी। मुख्य अतिथि बी. बी. ठाकरे, प्रदेश अध्यक्ष संजय पाटिल, डॉ. बाबूलाल सिंह, एड. गोपाल शेलके और भानुदास महाराज भोईर ने अपने विचार व्यक्त किए और कार्यक्रम की सराहना की। सात दिवसीय इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में लगभग 70 युवा प्रशिक्षणार्थी भाग ले रहे हैं, जिन्हें वैदिक विधि, संस्कार, यज्ञकर्म एवं सामाजिक कर्तव्यों की शिक्षा दी जाएगी। कार्यक्रम का सफल संचालन महासभा के प्रदेश महासचिव जयेश शेलार पाटील ने किया। सभी अतिथियों को शॉल, श्रीफल और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। ग्रामीण क्षेत्र में सांस्कृतिक पुनर्जागरण की दिशा में अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा का यह प्रयास समाज में नई चेतना और युवाओं को अपनी जड़ों से जोड़ने का एक प्रेरक कदम माना जा रहा है।

किसी भी प्रलोभन से दूर रह कर करें मतदान: अनीता सिन्हा

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत 112 महाराजगंज विधानसभा चुनाव 6 नवंबर को है। चुनाव को लेकर महाराजगंज अनुमंडल क्षेत्र में मतदाता जागरूकता अभियान जोर पकड़ने लगा है। शनिवार को मतदाता जागरूकता को लेकर महाराजगंज की एसडीओ अनीता सिन्हा ने कहा कि लोगों को मतदान के प्रति जागरूक करना और - शत-प्रतिशत मतदान के लिए प्रेरित करना है। इसके लिए प्रखंड के स्वच्छता कर्मी, जीविका दीदियां, पर्यवेक्षक और पंचायत प्रतिनिधियों को बढ़- चढ़ कर हिस्सा लेना है। पहले मतदान, फिर जलपान, और हर वोट जरूरी है। जैसे नारों से महाराजगंज प्रखंड क्षेत्र के नगर पंचायत की गलियां गुंजायमान करना है।

सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर आयोजित होगें विविध कार्यक्रम, निकाली जाएगी पदयात्रा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मंत्री, नगर विकास, शहरी समग्र विकास, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन, ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्त्रोत विभाग, उ०प्र०/प्रभारी मंत्री ए. के. शर्मा द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल जी की 150 जयंती पर एक भारत आत्मनिर्भर भारत अभियान के आयोजन विषयक प्रेस प्रतिनिधियों के साथ वार्ता आयोजित हुई।

जनपद प्रभारी मंत्री ए.के. शर्मा के द्वारा प्रेस वार्ता के दौरान बताया गया कि इस वर्ष लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150 वीं जयन्ती का महत्वपूर्ण अवसर है। एक दूरदर्शी राजनेता और राष्ट्रीय एकता के निमार्ता, सरदार वल्लभभाई पटेल जी ने स्वतंत्रता के पश्चात करीब 560 से अधिक रियासतों को एक राष्ट्र में एकीकृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया है। उनकी चिरस्थायी विरासत का सम्मान करने और एकता, देशभक्ति और सेवा के उनके आदर्शों को सुदृढ़ करने के लिए, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा पूरे देश में सरदार 150 समारोह का आयोजन किया जा रहा है। सरदार वल्लभभाई पटेल जी के राष्ट्र के प्रति योगदान के सम्बन्ध में सभी नागरिकों व विशेषकर युवाओं में जागरुकता बढ़ाने के लिए पदयात्रा तथा कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की जा रही है। सरदार वल्लभभाई पटेल की जयन्ती 31 अक्टूबर, 2025 के अवसर पर जनपद जौनपुर में पद यात्रा (रन फार यूनिटी) का आयोजन किया जाएगा। सभी संसदीय क्षेत्र और विधानसभाओं में कार्यक्रम आयोजित किये जायेगे और इसके

साथ ही स्वच्छता अभियान, स्वदेशी मेले, नशा मुक्ति अभियान, सरदार पटेल की विरासत पर सेमिनार व वाद-विवाद प्रतियोगिताएं आदि आयोजित की जाएंगी। जनपद स्तर पर पदयात्रा का आयोजन जनप्रतिनिधिगण के नेतृत्व में किया जाएगा। जनपद स्तर पर आयोजित की जाने वाली पद यात्रा में प्रतिष्ठित राष्ट्रीय नेता, युवा प्रतिनिधि एवं स्वयंसेवक तथा मंगल दल के सदस्यों तथा स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थियों को सम्मिलित किया जाएगा। इसके साथ ही माई भारत पोर्टल के माध्यम से अधिक से अधिक युवाओं का पंजीकरण कराते हुए निबन्ध प्रतियोगिताएं/ पॉडकास्ट/ प्रश्नोतरियों व राष्ट्रीय रील प्रतियोगिताओं आदि का आयोजन शासन के दिशा-निदेर्शों के अनुसार कराया जाएगा। जनपद स्तर पर आयोजित होने वाले समस्त कार्यक्रमों को माई भारत पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। इस दौरान उन्होंने पत्रकार बंधुओं से विकसित भारत विकसित उ0प्र0 हेतु समर्थ पोर्टल पर आमजनमानस में सुझाव देने हेतु जागरूकता उत्पन्न करने की अपील भी की। प्रभारी मंत्री के द्वारा जीएसटी दरों मे हुए बदलाव के फायदे गिनाते हुए कहा कि जीएसटी दर घटने से आमजनमानस को लाभ हो रहा है और हमारी अर्थव्यवस्था को भी गति मिल रही है। इसके पश्चात प्रभारी मंत्री और जिलाधिकारी द्वारा सभी उपस्थित पत्रकार बंधुओ को दिवाली सहित आगामी त्योहारों की शुभकामनाएं देते हुए मिष्ठान भेंट किया गया। इस अवसर पर विधायक शाहगंज रमेश सिंह, जिलाध्यक्ष भाजपा पुष्पराज सिंह, अजय सिंह, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद जौनपुर श्रीमती मनोरमा मौर्या , जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र, मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अंबष्ट, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय, अन्य जनप्रतिनिधि व अधिकारीगण और सम्मानित पत्रकार बन्धु उपस्थित रहे।

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा ने जौनपुर में छठ के दृष्टिगत गोमती घाट का किया निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आगामी छठ पूजा के दृष्टिगत मा० मंत्री नगर विकास, शहरी समग्र विकास, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन, ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्त्रोत्र विभाग उ०प्र०/प्रभारी मंत्री ए०के० शर्मा द्वारा आज छठ पर्व की तैयारियों की समीक्षा के उद्देश्य से छठ घाटों का स्थलीय निरीक्षण किया।

उन्होंने घाटों पर साफ-सफाई, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, प्रकाश व्यवस्था, जल निकासी और सुरक्षा के सभी इंतजामों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मंत्री शर्मा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता है, अतः सभी तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जाएं। उन्होंने घाटों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, पेयजल की उपलब्धता और स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। मौके पर प्रभारी मंत्री ने

उपस्थित श्रद्धालु सरिता गुप्ता सहित अन्य नागरिकों से संवाद किया। लोगों ने नगर विकास विभाग द्वारा की जा रही तैयारियों पर संतोष जताया और सरकार के प्रयासों की सराहना की। मंत्री शर्मा ने कहा कि जनसहभागिता से ही स्वच्छ और सफल आयोजन संभव है। मंत्री शर्मा ने अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद जौनपुर को घाटों की समुचित सफाई, कचरा निस्तारण, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने नदी में जाली लगाने एवं अर्पण कलश स्थापित करने के भी निर्देश दिए।

इस दौरान जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी को घाटों के आसपास लगे सभी अवैध होर्डिंग्स तत्काल हटाने के निर्देश दिए। वापसी के दौरान मंत्री ने मार्ग में कई स्थानों पर फैली गंदगी देखी। इस पर उन्होंने अधिशासी अधिकारी पर नाराजगी व्यक्त की और तत्काल सफाई कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल त्योहारों तक सीमित न रहे, बल्कि इसे नगर की नियमित प्राथमिकता के रूप में बनाए रखा जाए। मंत्री ने कहा कि छठ पर्व आस्था, स्वच्छता और अनुशासन का प्रतीक है। अतः सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

इस दौरान उन्होंने छठ पर्व के दृष्टिगत अतिरिक्त पुलिस व्यवस्था को लगाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती मनोरमा मौर्या, जिलाध्यक्ष श्री पुष्पराज सिंह जिलाधिकारी डॉ० दिनेश चंद्र, मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका जौनपुर सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कल्याणी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित छठ पूजा: सामाजिक समरसता का अनूठा उदाहरण

मुंबई। कल्याणी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित छठ पूजा महोत्सव इस बार सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक एकता का अनूठा उदाहरण बनने जा रहा है। इस आयोजन की विशेषता यह है कि इसमें हिंदी भाषी ही नहीं, बल्कि मराठी भाषी समाज के लोग भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। बुजुर्ग हों या युवा, सभी का उत्साह और सहयोग इस आयोजन को बाकी संस्थाओं द्वारा आयोजित छठ पूजन से अलग बनाता है। संस्था के प्रमुख श्री अजय सदानंद बागल, श्री मनोज दयाशंकर सिंह, और श्री संजय भोलानाथ त्रिपाठी के मार्गदर्शन में यह आयोजन भव्य रूप से संपन्न किया जा रहा है। इनके साथ संस्था के अन्य सक्रिय सदस्य – सर्वश्री दिलीप सिंह, धर्मेंद्र गिरी, संतोष पाठक, प्रमोद दुबे, संतोष दुबे, सुनील सिंह, डॉ. ममता सिंह, उमा दुबे आदि – भी इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। छठ पूजा की मुख्य विशेषता के रूप में इस बार कन्याओं का पांव पूजन, सुहागिन माताओं-बहनों के लिए हल्दी-कुमकुम कार्यक्रम, तथा सभी छठ व्रतियों के लिए विशेष पूजन व्यवस्था की गई है। यह पारंपरिकता और आधुनिक सामाजिक एकता का सुंदर संगम प्रस्तुत करेगा। संस्था ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने कीमती समय में से कुछ समय निकालकर इस पवित्र आयोजन में शामिल हों और सेवा का अवसर प्राप्त करें। विशेष उल्लेखनीय है कि इस वर्ष मुंबई महानगर पालिका का विशेष सहयोग भी कल्याणी चैरिटेबल ट्रस्ट को प्राप्त हुआ है, जिसके लिए संस्था ने महानगर पालिका के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है।

सरदार पटेल की जयंती पर गूंजेगा एक भारत श्रेष्ठ भारत का स्वर

सुरेश गांधी

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। अखंड भारत के शिल्पी, लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती को लेकर भारतीय जनता पार्टी और उत्तर प्रदेश सरकार ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने कहा कि उत्तर से दक्षिण और पूरब से पश्चिम तक जो भारत आज एकजुट दिखता है, वह सरदार पटेल की देन है। उन्होंने कहा कि अंग्रेज भारत को टुकड़ों में बांटना चाहते थे, लेकिन पटेल ने अपनी दूरदृष्टि, अदम्य साहस और दृढ़ इच्छाशक्ति से 563 रियासतों का विलय कर भारत को एक सूत्र में पिरो दिया। सर्किट हाउस में आयोजित पत्रकार वार्ता में मंत्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों से 31 अक्तूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने सरदार पटेल के एक भारत श्रेष्ठ भारत के सपने को जन-आंदोलन बना दिया है। आज भाजपा की जिम्मेदारी है कि एकता और अखंडता का यह संदेश हर गांव, हर विधानसभा और हर बूथ तक पहुँचे. ऊर्जा मंत्री ने बताया कि 31 अक्तूबर को राज्यभर में रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया जाएगा। प्रत्येक जिले में सरदार पटेल की प्रतिमा से यह दौड़ प्रारम्भ होगी, जिसमें पार्टी कार्यकताओं के साथ जनप्रतिनिधि, खिलाड़ी, शिक्षक, व्यापारी, अधिवक्ता, किसान, मजदूर, महिलाएं और युवा शामिल होंगे। यह सिर्फ औपचारिकता नहीं, बल्कि जनता की भागीदारी का महोत्सव होगा. शर्मा ने बताया कि सभी बूथों पर सरदार पटेल के चित्र लगाए जाएंगे और श्रद्धांजलि सभाएं आयोजित की जाएंगी, ताकि हर नागरिक एकता का यह संदेश आत्मसात कर सके। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि 1 नवंबर से 26 नवंबर तक हर विधानसभा क्षेत्र में 8 से 10 किमी लंबी एकता पदयात्रा निकाली जाएगी। इन यात्राओं में रिटायर्ड सैनिक, अन्नदाता, श्रमिक, एनएसएस, एनसीसी और भारत स्काउट गाइड जैसे संगठन भाग लेंगे। यात्रा के दौरान भारत माता की जय, वंदे मातरम और जय सरदार पटेल के जयघोष से वातावरण गुंजायमान रहेगा। हर दो किमी पर ठहराव होगा, जहां स्थानीय समाज के लोगों के साथ संवाद स्थापित किया जाएगा। यात्रा का उद्देश्य केवल आयोजन नहीं, बल्कि समाज को एक सूत्र में जोड़ना है.

प्रदेश के मंत्री ए.के. शर्मा ने बताया कि प्रत्येक जिले से पांच प्रतिनिधि गुजरात के करमसद जाएंगे, सरदार पटेल के जन्मस्थान से प्रारंभ होने वाली यात्रा में भाग लेने के लिए। इसमें युवा मोर्चा के दो पदाधिकारी और तीन यूथ आइकॉन शामिल होंगे। वहीं राष्ट्रीय स्तर पर एक 150 किमी लंबी पदयात्रा करमसद से स्टैच्यू ऑफ यूनिटी तक निकलेगी, जिसमें देशभर से युवा भाग लेंगे। यह यात्रा भारत की एकता और शक्ति का प्रतीक बनेगी, जो नई पीढ़ी को सरदार साहब के विचारों से जोड़ेगी मंत्री ने कहा कि 31 अक्तूबर को विद्यालयों, कॉलेजों और पार्कों में विविध आयोजन होंगे। विद्यार्थियों के बीच निबंध, भाषण, रंगोली और चित्रकला प्रतियोगिताएं कराई जाएंगी। बच्चों को यह बताना जरूरी है कि भारत की सीमाएं केवल नक्शे की रेखाएं नहीं, बल्कि लाखों दिलों की एकता का प्रतीक हैं। मंत्री शर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार सरदार पटेल के सपनों को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है।